डाक पंजीयन क्रं. छ.ग./दुर्ग/13/2024-26
आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

Email- srambindu@gmail.com
shrambindu@yahoo.in

दैनिक श्रमबिन्दु

प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव

भिलाई संस्करण
गुरूवार 11 जुलाई 2024
वर्ष - 38, अंक - 13
पृष्ठ-8, मूल्य- 01 रूपए

38 वर्ष 1987-2023

भिलाई एवं रांची से एक साथ प्रकाशित समाचार पत्र...

आप भी समाचार भेज सकते है
वाट्सअपः 8349764019
9098178627
srambindu.com

खास खबर...

जल्द होगा साय कैबिनेट का विस्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल हो सकता हे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली से हरी झंडी मिलने के बाद 15 जुलाई तक राज्य में कैबिनेट विस्तार किया जा सकता है। विष्णुदेव साय की कैबिनेट में अभी दो विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है। छत्तीसगढ़ का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। मानसून सत्र से पहले सीएम साय अपने कैबिनेट का विस्तार कर सकते हैं। सीनियर नेता बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद से ही राज्य में कैबिनेट विस्तार को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में 15 जुलाई तक 2 नए मंत्री बनाए जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि जल्द ही कैबिनेट विस्तार को लेकर सीएम दिल्ली का दौरा करेंगे। यहां पांच प्रमुख नामों में से किन्ही दो को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। मंत्रिमंडल के विस्तार में जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण का भी ध्यान रखा जाएगा।

डीजीपी चयन का बदल गया समीकरण : त्रिकोणीय मुकाबला

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के नए मुखिया (डीजीपी) के चयन का समीकरण बदल गया है। पहले 2 अफ्सरों के बीच सीधा मुकाबला था, लेकिन अब संघर्ष त्रिकोणीय हो गया है। छत्तीसगढ़ का अगला पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कौन होगा, इसका फैसला इसी महीने हो जाएगा। राज्य के मौजूदा डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल 4 अगस्त को खत्म हो रहा है। ऐसे में नए डीजीपी के लिए योग्य अफ्सरों के नामों की सूची राज्य सरकार को इसी महीने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भेजना होगा। अभी तक इस पद के लिए दो प्रमख दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन सप्ताहभर में ही समीकरण बदल गया है और अब मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। बता दें कि राज्य में डीजीपी और डीजी का एक-एक कॉडर और 2 एक्स कॉडर पद है। सप्ताहभर पहले तक राज्य में अशोक जुनेजा के अतिरिक्त डीजी रैंक का कोई दूसरा अफ्सर नहीं था।

राज्य और केन्द्र सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ का होगा तेजी से विकास

छत्तीसगढ़ जल्दी ही वापस पाएगा पॉवर सरप्लस स्टेट का दर्जा : विष्णु देव साय

श्रमबिन्दु / रायपुर

केन्द्रीय विद्युत तथा आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने अपने रायपुर प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ में ऊर्जा तथा शहरों में आवास व जनसुविधाएं विकसित करने किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में आयोजित बैठक में कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार के बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास होगा। छत्तीसगढ़ में बिजली और आवास से संबंधित सभी आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिए भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनेक सुधारवादी कदम उठाएं जा रहे हैं। जनआकांक्षाओं के अनुरूप काम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू और मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बैठक में कहा कि लोगों को सस्ती और पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने केन्द्र सरकार द्वारा अनेक अनुदान योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भी कई योजनाएं हैं। उन्होंने राज्य सरकार को भारत सरकार द्वारा दी जा रही सभी निधियों और अनुदानों का पूर्ण उपयोग करने को कहा। राज्य में जिस तेजी से काम होंगे, उसी तेजी से भारत सरकार द्वारा राशि जारी की जाएगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य में विकास योजनाओं को लेकर केन्द्र सरकार की ओर से कोई कठिनाई नही आएगी। दोनों बेहतर समन्वय से काम करेंगे।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बैठक में सुझाव दिया कि क्लिीन सिटी के तहत रायपुर को मिली 100 बसों का उपयोग नया रायपुर और रायपुर के बीच चलाने के लिए भी कर सकते हैं। उन्होंने विद्युत विभाग के अंतर्गत लाइन-लॉस को कम करने के लिए किए जा रहे कार्यों, स्मार्ट मीटर की स्थापना, विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में विद्युतीकरण और बिजली उत्पादन के लिए कोयला की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने आवासन एवं शहरी कार्यों के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम ई-बस सेवा, स्मार्ट सिटी मिशन और राष्ट्रीय शहरी विकास मिशन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन योजनाओं के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यभार सम्भालने के एक माह के भीतर ही वे यहां विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। उनके सहयोग से राज्य में विकास की गति को तेज करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य में तेजी से काम हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ जल्दी ही 'पॉवर सरप्लस स्टेट' का दर्जा वापस पा लेगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि प्रदेश में पिछले छह महीनों में किसानों और छोटे कामगारों के लिए बिजली की उपलब्धता में सुधार आया है। किसानों को तीन एचपी तक कि सिंचाई पंपों में सालाना छह हजार यूनिट तक और तीन से पांच एचपी के पंपों में साढ़े सात हजार यूनिट तक के बिजली बिल में छूट दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृति के लिए लंबित 19 हजार 906 आवास एवं विकसित भारत संकल्प यात्रा में एकत्रित आवेदनों के अनुरूप राज्य को पुनरीक्षित केन्द्रांश के साथ करीब 50 हजार आवासों को प्राथमिकता से स्वीकृत करने का अनुरोध किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज की यह बैठक राज्य में ऊर्जा और शहरी विकास को नई गति प्रदान करेगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव ने बैठक में कहा कि शहरों के विकास के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हम लगातार काम कर रहे हैं। राज्य में स्वच्छता, आवास, आजीविका, पेयजल इत्यादि के लिए तेजी से काम हो रहे हैं। इन कार्यों में प्रगति की नियमित समीक्षा भी की जा रही है।

सियादेवी दर्शन को गए दुर्ग के 3 युवकों की हादसे में मौत

श्रमबिन्दु / दुर्ग

बालोद जिले में सड़क हादसे में 3 युवकों की जान चली गई है। 5 लोग दुर्ग से बालोद घूमने आए थे, जिनमें से तीन दोस्त एक ही बाइक में सवार थे। इनकी बाइक सियादेवी मंदिर जाने के दौरान पेड़ से जा टकराई।

हादसे में तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सभी युवक दुर्ग जिले के विनायकपुर गांव के रहने वाले थे। हादसे में 21 साल के नमन सेन, 26 साल के देवा निषाद और 26 साल के ही खिलेश पटेल की मौत हो गई। मृतकों में से एक नमन सेन का भाई डेविड सेन और उसकी दोस्त डिलेश्वरी साहू दूसरे बाइक में सवार थे।

बताया गया कि दुर्ग जिले के पांचों लोग दो बाइकों में सियादेवी मंदिर में दर्शन करने के लिए निकले थे। तभी एक बाइक रानीमाई से थोड़ी दूर ही सीधे पेड़ से जा टकराई। उनके पीछे डेविड और डिलेश्वरी एक बाइक में थे। दोनों हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे। जहां से स्थानीय लोगों की मदद से सभी को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया गया।

टैंकर से टकराई बस : 18 यात्रियों की मौत

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक डबल डेकर बस के दूध के टैंकर से टकराने के बाद 18 लोगों की मौत हो गई। और 19 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा बुधवार सुबह 5:15 बजे हुआ। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। दर्दनाक हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने दुख जताया है। जानकारी के अनुसार, डबल डेकर बस (P95 T 4720) बिहार के शिवगढ़ से राजधानी दिल्ली जा रही थी। जैसे ही स्लीपर बस लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बेहटा मुजावर थाना इलाके में हवाई पट्टी पर पहुंची तो दूध से भरे टैंकर से टकरा गई।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भी पति से मांग सकती हैं गुजारा भत्ता

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला लेते हुए कहा है कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारे भत्ते के लिए अपने पति के खिलाफ याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन गॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। वो इससे संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये धारा सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, फिर चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। मुस्लिम महिलाएं भी इस प्रावधान का सहारा ले सकती हैं। कोर्ट ने एक बार फिर कहा है कि मुस्लिम महिला अपने पति के खिलाफ धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरण-पोषण के लिए याचिका दायर कर सकती है।हालांकि, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने अलग-अलग फैसला सुनाया लेकिन दोनो की राय समान है। कई मामलों में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता नहीं मिल पाता है या मिलता है तो भी इद्दत की अवधि तक। इद्दत एक इस्लामिक परंपरा है। इसके अनुसार, अगर किसी महिला को उसका पति तलाक दे देता है या उसकी मौत हो जाती है तो महिला 'इद्दत' की अवधि तक दूसरी शादी नहीं कर सकती। इद्दत की अवधि करीब 3 महीने तक रहती है। ये अवधि पूरा होने के बाद तलाकशुदा मुस्लिम महिला दूसरी शादी कर सकती है। अब्दुल समद नाम के एक मुस्लिम शख्स ने पत्नी को गुजारा भत्ता देने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

छत्तीसगढ़ रोजगार एप्प प्रदेश के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल-उपमुख्यमंत्री

श्रमबिन्दु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर प्रदेश के युवाओं को घर बैठे रोजगार पंजीयन की सुविधा मिल रही है। साथ ही रोजगारपरक सुविधाओं का लाभ भी मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार हेतु सहायता प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ रोजगार एप्प का शुभारंभ किया है।

एप्प शुभारंभ के महज तीन माह के भीतर ही इस रोजगार एप्प को 10 हजार लोगों ने डाउनलोड किया है। वहीं 1611 लोगों ने घर बैठे पंजीयन भी कराया है। इससे युवाओं को रोजगार कार्यालयों में जाकर लंबी-लंबी लाईन नहीं लगानी पड़ रही है। वहीं समय और पैसे का बचत भी हो रही है। इस एप्प को गूगल प्ले स्टोर और विभागीय वेबसाइट https//erojgar.cg.gov.in पर उपलब्ध कराया गया है। कोई भी व्यक्ति रोजगारपरक जानकारी के लिए एप्प डाउनलोड कर अवलोकन कर सकते हैं।

गौरतलब है कि बेरोजगार युवाओं को मोबाइल एप्प के माध्यम से रोजगार हेतु पंजीयन की व्यवस्था, पहले से हो चुके पंजीयन का नवीनीकरण और नवीन सुविधाएं प्राप्त करने के लिए छत्तीसगढ रोजगार एप्प विकसित किया गया है। इससे छत्तीसगढ़ लाखों युवाओं को जिला रोजगार एवं स्व-रोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जाने की आवश्यकता नहीं है। बार-बार ऑफिस जाकर लाईन लगने के झंझट से भी छुटकारा मिला है और घर बैठे इस एप्प के माध्यम से आवेदन किए गए युवाओं को पंजीयन के भौतिक सत्यापन हेतु जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में जाने की आवश्यकता नहीं है। सत्यापन आधार आधारित ह्ुझक्क के माध्यम से किया जाता है। रोजगार पंजीयन पत्रक कभी भी इस एप्प के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है।

इस एप्प पर शासकीय-अर्धशासकीय विभागों की रिक्तियां, विभाग द्वारा आयोजित किए जाने वाले रोजगार मेला-प्लेसमेंट कैंप की अद्यतन जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रकार, रोजगार सहायता की प्रक्रिया अब और अधिक सरल एवं सुलभ हो गई है, जिससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार प्राप्त करने में अत्यधिक सहायता मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ रोजगार एप्प प्रदेश के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस एप्प के माध्यम से युवा न केवल रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, बल्कि उन्हें रोजगार के लिए आवश्यक दस्तावेज और प्रक्रियाओं को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। यह एप्प प्रदेश के युवाओं की बेहतरी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और यह उनके रोजगार संभावनाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश के रोजगार सहायता इच्छुक युवाओं के लिए यह एप्प एक नई आशा की किरण साबित होगा।

एक पेड़ मां के नाम महा वृक्षारोपण अभियान-2024 में हिस्सा लेंगे मुख्यमंत्री

श्रमबिन्दु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 11 जुलाई को दोपहर 3 बजे जैव विविधता पार्क अटल नगर नवा रायपुर में होने वाले महावृक्षारोपण अभियान-2024 में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन मंत्री केदार कश्यप करेंगे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री द्वय अरूण साव एवं विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, खेल मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक इंद्र कुमार साहू एवं गुरु खुशवंत साहेब होंगे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान : छत्तीसगढ़ महतारी की गोद को हरा भरा बनाने में दें अपना योगदान : सीएम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के दिन से पूरे देश में एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी माता जी के सम्मान में राजधानी रायपुर में दहीमन और गृह ग्राम बगिया में रुद्राक्ष का पौधा रोपा है।श्री साय ने प्रदेश वासियों से अपील की है कि इस अभियान में अधिक से अधिक शामिल होकर छत्तीसगढ़ महतारी की गोद को हरा भरा बनाने में अपना योगदान दें।

राज्य शासन के जनसंपर्क संचालनालय द्वारा अभियान के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु सोशल मीडिया पर एक पेड़ माँ के नाम प्रोफ़ाइल पिक्चर फ्रेम अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत आप अपने घर आँगन ,खेत मेंअपनी माता जी के साथ या माता जी की स्मृति में पौधा लगाते हुए अपनी तस्वीर लें। अपने सोशल मीडिया व्हाट्सएप/एक्स/ फ़ेसबुक/इंस्टाग्राम/स्नैपचैट इत्यादि पर डिस्प्ले के रूप में लगायें। आप अपने सोशल मीडिया की प्रोफ़ाइल पिक्चर के साथ एक पेड़ माँ के नाम प्रोफाइल फ्रेम लगाकर इस अभियान में हिस्सा लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं।

[खास खबर]

ज्यादा मुनाफा कमाने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी

रायपुर। मध्य श्रीदेवा श्रीगणेश रिफाईनरी सदरबाजार में सोने में ज्यादा लाभ कमाने का झांसा देकर 1 करोड़ 26 लाख से अधिक की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आदित्य कुमार मारूति रेसीडेंसी अमलीडीह का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी दीपक सदाशिव धोबले 35 वर्ष ने प्रार्थी से कहा कि वह सोने में ज्यादा लाभ कमा सकता है। जिससे प्रार्थी आरोपी के झांसे में आ गया और प्रार्थी ने आरोपी को 1700 ग्राम सोना और 36 किलो चांदी दे दिया। जिसे लेकर आरोपी ने ना तो लाभांस दिया और ना ही सोने-चांदी के दाम 1 करोड़ 26 लाख 49500 रुपए अमानत में ख्यानत का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

फर्जी कंपनी बनाकर ठगी, जुर्म दर्ज

रायपुर। अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थी का आईडी कॉर्ड प्राप्त कर 2 कंपनियों के नाम से फर्म बनाकर ठगी किया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मनीष कुमार पाठक 37 वर्ष एम्स अस्पताल टाटीबंध के पास रहता है। बताया जाता है कि अज्ञात आरोपी ने प्रार्थी के आधार कार्ड, पेनकार्ड प्राप्त कर दो कंपनी आईसा इंटरप्राइजेस एवं पाठक इंटरप्राइजेस के नाम से धोखाधड़ी किया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

गोदाम से हजारों रुपए के सामान पार

रायपुर। कांदूल स्थित पीएचईडी साइन के गोदाम से अज्ञात चोर हजारों रुपए के सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मुजगहन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रज्वल बिसेन 26 वर्ष न्यू राजेन्द्र नगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी के कांदूल स्थित पीएचईडी साइन के गोदाम से अज्ञात चोर ने शटर को मोड़कर कटर मशीन, लोहा, रॉड व अन्य हार्डवेयर सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 35 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर मुजगहन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

लोहे का चैनल लेकर ट्रक चालक फरार

रायपुर। सरोरा स्थित महामाया स्टील कंपनी से लाखों रुपए का लोहे का चैनल लेकर ट्रक चालक फरार हो गया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अफजल अंसारी 40 वर्ष पारस नगर देवेन्द्र नगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वाहन क्रमांक आरजे 52 वीए 8322 के चालक ने सरोरा के महामाया स्टील से 14,33,708 रुपए के लोहे का चैनल लोड कर कर्नाटक के लिए रवाना हुआ था, जो आज तक अपने गंतव्य स्थान तक नहीं पहुंच पाया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग जगह से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। शहर के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से अज्ञात चोर ने दो नग दोपहिया वाहन पार कर दिया। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा निवासी निशा नत्थानी 35 वर्ष ने राजेन्द्र नगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी सूजूकी एक्सेस क्रमांक सीजी 04 एमबी 2133 को महावीर नगर चर्च के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए मोपेड की कीमत करीब 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में खम्हारडीह थाना में प्रार्थी इंदर तांडी 25 वर्ष ने शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलएन 0874 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभीह अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग थाना क्षेत्र तीन कोचिया गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अवैध शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 167 पाव देशी शराब व एक बाइक जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार डीडीनगर पुलिस ने महादेव घाट साई पैलेस के पास आरोपी नारायण यादव 42 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 90 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं मंदिरहसौद पुलिस ने ग्राम छतौना के पास बाइक सवार आरोपी भोजराम चंद्राकर 31 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

सरेआम शराब पीते 8 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर पुलिस ने मेडिसाइन अस्पताल के पास सरेआम शराब पीते आरोपी अंकित 30 वर्ष व हेमंत कुमार 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपी राजकुमार बोथरा 40 वर्ष, खम्हारडीह पुलिस ने आरोपी नीलेश बंजारे 26 वर्ष एवं मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपी सत्येन्द्र ढीढी 32 वर्ष व सुरेश कुमार साहू 40 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

सरस्वती शिशु मंदिर कोंटा में शिशु वाटिका का लोकार्पण

शिशु मंदिर में दी जाती है संस्कारों की शिक्षा: राणा

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

बस्तर संभाग के सुकमा जिले की आध्यात्मिक नगरी कोंटा में वर्षो बाद एकबार फिर सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षण संस्था में स्थानीय निवासियों ने रूचि दिखाई है। वर्ष 1995 से संचालित सरस्वती शिशु मंदिर कोंटा बीते कुछ वर्षो से काफी उपेक्षित रहा। एकबार फिर से इस संस्था मे कुछ नए प्रयासों की शुरुआत की जा रही है। आज कोंटा नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में शिशु वाटिका का शुभारंभ सरस्वती शिशु मंदिर कंगोली जगदलपुर एवं जागृति मंडल रायपुर के अध्यक्ष कुंवर राज बहादुर सिंह राणा एवं रामराजा मनोज देव विभाग प्रभारी एवं अध्यक्ष सरस्वती शिशु मंदिर सुकमा के हाथों हुआ।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुंवर राज बहादुर सिंह राणा ने कहा कि आप हमें अबोध बालक दें, हम आपको सुयोग्य नागरिक देंगे। भैया, बहनों के सर्वांगीण विकास में विद्या भारती का प्रेरक एवं अनोखा प्रयास है यह शिशु वाटिका। यह विद्या भारती की अमूल्य धरोहर है।सुसंस्कारित, सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही सरस्वती शिशु मंदिर योजना को विश्व के कोने- कोने तक ले जा रही हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में हमें अपने मातृ संगठन, विद्या भारती, सरस्वती शिक्षा परिषद व समाज का सराहनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। आपके आत्मीय एवं प्रेरक सहयोग से हम शिक्षा जगत में ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम मे उपस्थित सरस्वती शिशु मंदिर सुकमा के अध्यक्ष मनोज देव ने कहा की शिशु वाटिका बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक अभिनव प्रयास है।सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार की शिक्षा को सर्वोपरि रखा जाता है।

अनुशासित एवं व्यावहारिक जीवन जीने का ज्ञान देने वाला एकमात्र विद्यालय है सरस्वती शिशु मंदिर। इस अवसर पर खंड संघचालक सीएच राज शेखर प्राचार्य वेदमाता कालेज, जगदलपुर से श्री तिवारी, समिति के अध्यक्ष पी. गणेश, व्यवस्थापक गिरीश, सचिव वी.नरेश, कोषाध्यक्ष टी. वेंकटेश राव, समिति के सदस्य सुभाष चतुर्वेदी, आर. मुरली, जी. वेंकट रमन्ना रेड्डी, जी. गंगाचलम, उदयराज सिंह, जेट्टी रामाराव, पी. रामडू, जी. विजय लक्ष्मी रेड्डी, पी. कृष्ण कुमारी, अन्नू घोष, टी. श्रीनिवास वासु, वेट्टी अनिल, नीली सतीश, नीली वंशी, सुनील, अरविंद गुप्ता, किरण, मनीष, संस्था के आचार्य, दीदियां, और कोंटा के गणमान्य नागरिक उपस्तिथ थे।

अभाविप ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर निकाली बाइक रैली, मनाया स्थापना दिवस

हमारे लिए राष्ट्रहित ही है सर्वोपरि : शैलेष ध्रुव

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फायर ब्रांड भगवाधारी छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का स्थापना दिवस पर 9 जुलाई को पीजी कॉलेज जगदलपुर में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं बाइक रैली निकालकर मनाई गई।

बाइक रैली पीजी कॉलेज चौक पर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के माल्यार्पण के पश्चात अग्रसेन चौक, शहीद पार्क, एसबीआई चौक से होती हुई माई दंतेश्वरी मंदिर के प्रांगण पर समाप्त हुई। अभाविप के प्रदेश सहमंत्री एवं बस्तर जिला संयोजक शैलेष ध्रुव ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने 1948 में अपना कार्य प्रारंभ किया था, जो बाद में 9 जुलाई 1949 को विधिवत पंजीबद्ध छात्र संगठन बनी। परिषद की स्पष्ट धारणा है कि छात्रों के सामने देश सर्वोपरि हो एवं उनके सारे क्रियाकलाप देश के हितार्थ ही चलाएं जाएं। विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन हैं। इसकी स्थापना छात्र हित और छात्रों को उचित दिशा देने के लिए की गई है। परिषद का घोष वाक्य है ज्ञान, शील और एकता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना का मूल उद्देश्य राष्ट्र के पुनर्निर्माण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना है। विद्यार्थी परिषद के अनुसार छात्रशक्ति ही राष्ट्रशक्ति है। राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए छात्रों में राष्ट्रवादी चिंतन को जगाना ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का मूल उद्देश्य है। युवा छात्र शक्ति का यह प्रतिनिधि संगठन है। अभाविप का नारा है - छात्र शक्ति, राष्ट्रशक्ति।

वैसे अभाविप का आधिकारिक सूत्र वाक्य है ज्ञान, शील, एकता और यही परिषद की विशेषता है। इस संगठन में कोई मैं नहीं होता है हम की भावना से कार्य किया जाता है। जो विश्व का एकमात्र सामाजिक छात्र संगठन है। इस दौरान अश्विन पिल्ले, गौरव भवानी, अचिंत्य शर्मा, निशांत, दीपक, करण बघेल, मनीष मिश्रा, मनीष बैस, निखिल, राजकमल, पुनव, कुंजाम, दिव्यराज राणा समेत अभाविप के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2024-आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

रायगढ़। रायगढ़ जिले के समस्त ऋणी व अऋणी कृषक 31 जुलाई 2024 तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2024 का लाभ ले सकते है। फसल बीमा में मक्का, धान सिंचित, धान असिंचित, उड़द, मूंग, मूंगफली, रागी एवं अरहर को शामिल किया गया है। कृषक को बीमित फसल क्षति का दावा के लिए बीमा कंपनी (भारतीय कृषि बीमा कंपनी लिमिटेड)के टोल फ्री नंबर 1800-11-6515, 1800-209-5959 एवं 1800-266-0700, 14447 में 72 घंटे के भीतर फसल क्षति की सूचना देना अनिवार्य है।

उप संचालक कृषि रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि रायगढ़ जिले में खरीफ 2024 हेतु छ.ग.शासन से जारी अधिसूचना के आधार पर जिले के समस्त विकासखण्ड के ग्रामों को फसल बीमा खरीफ 2024 के लिए अधिसूचित किया गया है। जिसके तहत मक्का, धान सिंचित, धान असिंचित, उड़द, मूंग, मूंगफली, रागी एवं अरहर फसल का बीमा हेतु अऋणी कृषकों से बीमा प्रस्ताव का आवेदन बैंक/ वित्तीय संस्थानों/ लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से पंजीकृत किया जाना है एवं ऋणी कृषकों का बीमा प्रस्ताव आवेदन संबंधित ऋण प्रदायक बैंक के माध्यम से पंजीकृत किया जाना है। इस हेतु कृषकों से 31 जुलाई तक ही प्रस्ताव स्वीकार किये जायेंगे। उन्होंने जिले के सभी कृषकों को अधिक से अधिक संख्या में बीमा प्रस्ताव जमा कर योजना का लाभ लेने हेतु आग्रह किया है। मक्का का बीमाधन प्रति हेक्टेयर 36000 जिसकी प्रीमियम राशि प्रति हेक्टेयर 720 रुपये है। इसी प्रकार धान सिंचित का बीमाधन प्रति हेक्टे. 55000 एवं प्रीमियम राशि 1100, एवं प्रीमियम राशि 300 तथा अरहर का बीमाधन प्रति हेक्टे.38000 एवं प्रीमियम राशि प्रति हेक्टेयर 760 रुपये है।

अब इस नल से पानी ही नहीं, होने लगी हैं खुशियों की बरसात

श्रमबिन्दु / कोरबा

वह बरसात का ही महीना था। आसमान से पानी तो बरस रहे थेण्ण्ण्नदी.नाले उफान पर थेण्ण्ण् गाँव के आसपास सब कुछ जलमग्न जैसा थाण्ण्ण्उसके लिए तो बरसात एक आफ्त की बरसात बन गई थी एक्योंकि सभी तरफ पानी.पानी होकर भी वृद्धा गणेशों बाई बूँद.बूँद को मोहताज थीं। यह सिर्फ बरसात के दिनों की ही बात नहीं थीं। वृद्धा गणेशों बाई और गाँव के अधिकांश लोगों को गर्मी के दिनों में भी इसी तरह की समस्याओं से भुगतना पड़ता था। बरसात में गंदे हुए नाले के पानी से काम चलाना पड़ता था और गर्मी के दिनों में पानी सूख जाने से दूर.दूर तक पानी की तलाश में भटकना पड़ता था। ऐसे कई चुनौतियां भी आई कि बरसात के दिनों जान जोखिम में डालकर पत्थरों में फिसलन के बीच पानी का इंतजाम करना पड़ाण्ण। अब जबकि गाँव में ही जल जीवन मिशन और क्रेडा के माध्यम से सोलर ड्यूल पम्प लग गया है तो वृद्धा गणेशों के घर नल लगाया गया है। इस नल से उसकी बरसाती आफ्त खत्म होने के साथ ही नल से पानी मिलने के साथ खुशियों की बरसात भी होने लगी है। कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम कोरई पानी की समस्या हर गर्मी में विकराल हो जाती थी। ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ता था। कुछ दूर मौजूद एक नाला ही थाएजिनके भरोसे गर्मीए बरसात बिताई जाती थी। लेकिन यह आसान भी नहीं थाएक्योंकि गर्मी में जल का स्तर कम होने के साथ ही सूखे जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता था वहीं बारिश में नाले में उफान के साथ ही गन्दे हुए पानी उनकी परेशानी का सबब बन जाती थी। गांव में पानी में उपलब्ध कराने कई प्रयास भी हुएए लेकिन पर्वतीय इलाका होने की वजह से पानी की समस्या जस की तस बनी रही। आखिरकार इस समस्या से निपटने नई रणनीति अपनाई गई। जल जीवन मिशन और क्रेडा के माध्यम से गाँव में सोलर ड्यूल पम्प की स्थापना की गई। इस पम्प से घरों तक पाइप लाइन बिछाया गया। सभी प्रक्रिया पूरी कर जब पानी आपूर्ति शुरू की गई तो यह गाँव के लिये एक बड़ी उपलब्धि और खुशियों का अवसर था।

शहर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण के कार्य में आया बेहतर सुधार

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

जगदलपुर में डेढ़ गुना बढ़ गया गार्बेज कलेक्शन

कचरा संग्रहण में नागरिकों का मिल रहा पूरा सहयोग

जगदलपुर। नगर पालिक निगम जगदलपुर प्रशासन द्वारा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से लगातार कार्ययोजना बनाकर शहर को कचरा मुक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में बेहतर रैंकिंग के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा टीमवर्क के साथ साफ सफाई व्यवस्था का सदृढ़ किया जा रहा है ।

इस वर्ष के स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम शहर की साफ-सफाई एवं शहर के वार्डों में डोर टू डोर कचरा संग्रहण पर विशेष कार्य कर रहा है। डोर टू डोर कचरा संग्रहण विगत वर्ष 60 प्रतिशत से 65 प्रतिशत तक हो रहा था। जिस पर निगम प्रशासन ने बेहतर कार्य करते हुए वर्तमान में डॉट टू डोर कचरा संग्रहण को 94 प्रतिशत से 98 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है। सभी के अथक प्रयास से डोर टू डोर कचरा संग्रहण कार्य में बेहतर सुधार हुआ है। वहीं विगत वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण के पूर्व डोर टू डोर कचरा कलेक्शन हेतु 35 ऑटो एवं 9 ट्राइसाइकिलों के द्वारा किया जा रहा था तथा शहर के कई वार्डो में 1 आटो से 2 वार्डो को कवर किया जाता था। जिससे कई वार्डो के बहुत सारे घरों से कचरा कलेक्शन बराबर नही हो पा रहा था। शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों एवं होटलों का कचरा कलेक्शन हेतु उचित प्रबंध नहीं था। सितंबर 2023 के बाद से डोर टू डोर कलेक्शन को बेहतर करने को लेकर कार्ययोजना के साथ डोर टू डोर कचरा सलेक्शन करने की कार्रवाई में काफी सुधार हुआ। वार्ड के कुछ क्षेत्र छूट रहे हैं उस पर भी कार्य चल रहा है। वर्तमान में शहर के सभी 48 वार्डो में डोर टू डोर वाहनों, 13 ट्राइसाइकिलों और 4 ई-रिक्शा के द्वारा शहर में कचरा कलेक्शन हो रहा है। शहर के बड़े क्षेत्रफल वाले वार्डों में टिप्पर द्वारा 2 से 3 ट्रिप तक कचरा कलेक्ट किया जा रहा है। साथ ही जिस वार्ड में डोर टू डोर कचरा गाड़ी खराब हो जाती है उन वार्डों में ई-रिक्शा भेजा जाता है। जिससे कि वार्ड में कचरा संग्रहण का कार्य न रुके। डोर टू डोर कचरा संग्रहण में बेहतर कार्य योजना पर कार्य करने से शहर में डॉट टू डोर कचरा कलेक्शन में भारी सुधार हुआ है शहर के व्यवसायिक क्षेत्र मेन रोड़, पैलेस रोड़, गोलबाजार, हाई स्कूल रोड तथा अन्य क्षेत्रों के लिए प्रतिदिन शाम को टिप्पर और शहर के होटलों के लिए निगम प्रशासन ने ट्रैक्टर की व्यवस्था की है। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के कारण शहर में मुक्कड़ों की संख्या काफी कम हुई है। साथ ही शहर के वार्डों में भी मुक्कड़ों की संख्या काफी कमी आई है। विधायक किरण देव के मार्गदर्शन, महापौर और अन्य जनप्रतिनिधियों के समन्वय से इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में सुधार हेतु कार्ययोजना के साथ प्रयास जारी है।

हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए, तो हरियाली से आच्छादित हो उठेगा दल्ली राजहरा शहर : राकेश द्विवेदी

श्रमबिन्दु / दल्लीराजहरा

दल्ली राजहरा। भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा कालीबाड़ी मंदिर परिसर में पौधरोपण किया गया। भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी की नेतृत्व में दल्ली राजहरा की कालीबाड़ी में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया गया द्य मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए हमें पेड़ अवश्य लगाना चाहिए।

यदि हर व्यक्ति मन में यह ठान ले कि हर वर्ष मैं एक पेड़ अवश्य लगाऊंगा, तो देश में प्रतिवर्ष करोड़ों पेड़ मानव द्वारा यूं ही लग जाएंगे। हरे भरे पेड़ मन को तो सुकून देते ही हैं, साथ ही बढ़ते तापमान में भी पेड़ों की वजह से कमी आती है।पेड़ों की वजह से पर्यावरण संतुलन बनाने में मदद मिलती है। हमारा यह कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम हमेशा चलता रहेगा। मैं राजहरा के हर व्यक्ति से निवेदन करता हूं कि आप भी पेड़ लगाकर पर्यावरण बचाने में अवश्य मदद करें।वृक्षारोपण में राजहरा भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी, महामंत्री मदन मायती , महेंद्र सिंह गुड्डू, उपाध्यक्ष सुजीत झा, मंत्री रमेश गुर्जर, निलेश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रमेश जैन, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष सुदेश सिंह, विश्वकर्मा न्याय योजना के जिला अध्यक्ष सुरेश जायसवाल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य महेंद्र पिपरे, अल्पसंख्यक मोर्चा के नगर अध्यक्ष बंटी चोपड़े, कालीबाड़ी मंदिर सदस्य गौतम बेरा, विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष शंकर साहू, मातृशक्तियों में नंदा पसीने, उमा साहू, कुमारी रावटे और अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला अस्पताल-बालोद, (छ.ग.)
Phone No 07749-223924, E-mail ID- civilsurgeonbalod@gmail.com

कमांक/जि.चि./सिक्यू.गार्ड निविदा/2024/1948 बालोद, दिनांक 05.07.2024

निविदा आमंत्रण

जिला चिकित्सालय बालोद में सुरक्षा व्यवस्था हेतु वर्ष 2024-25 के लिए सिक्यूरिटी गार्ड हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र (नियम एवं शर्तें) अधोहस्ताक्षर (सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक) के कार्यालय में 2000/-रू. (दो हजार रूपये मात्र) जमा कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है जो वापसी योग्य नही है।

निविदा प्रपत्र रू. 2000/-जमा कर प्राप्त करने की अंतिम तिथि	दिनांक 22.07.2024 समय सायं 05:00 बजे तक
निविदा प्रपत्र पंजीकृत/स्पीड पोस्ट से प्राप्त करने की अंतिम तिथि	दिनांक 29.07.2024 को दोपहर 03:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 29.07.2024 को सायं 04:00 बजे से

निविदा खोलने की तिथि एवं समय में अपरिहार्य कारणो से परिवर्तित किया जा सकता है, जिसकी सूचना कार्यालय के सूचना पटल में चस्पा कर दी जावेगी।

सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय बालोद,(छ.ग.)

जी- 242500958/4

खास खबर

महिला एवं बाल विकास विभाग का अभिनव पहल

दुर्ग। ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान अंतर्गत दुर्ग जिले के प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषणवाटिका के साथ ही समुदाय की महिलाओं एवं बच्चो में पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता लाने 12 जुलाई 2024 को ''जल शक्ति से नारी शक्ति'' अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अभियान में ग्राम की महिला समूहों, महिला मंडल, ग्राम स्तर की महतारी वंदन योजना से लाभांवित सभी महिलाओं को एकत्र कर पानी की महत्ता जैसे-स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, पानी का संचयन, रेनवाटर हार्वेस्टिंग तथा खराब पानी का अन्य उपयोग इत्यादि विषय पर जानकारी देकर प्रत्येक घरों में पानी के संचयन के लिए उपयुक्त व्यवहार परिवर्तन की कार्यवाही करेंगे व वृक्षारोपण कार्यक्रम कराया जाएगा। ''बेटी बचाव-बेटी पढ़ाओं'' योजना के तहत् व्यवहार परिवर्तन के लिए जन-समुदाय को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र में 12 जुलाई 2024 को पांच फलदार वृक्ष का रोपण किया जाएगा। पौधा जिला प्रशासन के माध्यम से हार्टिकल्चर की नर्सरी अथवा वन विभाग, ग्राम पंचायत से संपर्क कर नि:शुल्क प्राप्त होगा। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास द्वारा ''एक पेड़ मॉ के नाम'' से साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं/कुपोषित बच्चों, गर्भवती/शिशुवती माताओं के घरों में फलदार पौधो के रोपण का अभियान के तहत् किया जाएगा। ''बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं'' योजना के तहत् बेटियों के नाम से भी वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। जिले भर में ''बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं'' योजना के तहत् वृक्षारोपण कर रही सेल्फी विथ बिटिया रानी कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा होना है।

जिले में अब तक 130.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 01 जून से 10 जुलाई तक 130.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 245.5 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 74.4 मिमी धमधा तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील बोरी में 80.04 मिमी, दुर्ग में 97.8 मिमी, भिलाई 03 में 106.0 मिमी और अहिवारा तहसील में 180.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 10 जुलाई को तहसील दुर्ग में 5.2 मिमी, तहसील बोरी में 3.0 मिमी एवं तहसील अहिवारा में 8.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

ग्रामीणों ने उठाया बीएसपी-सीएसआर द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 09 जुलाई 2024 को ग्राम बोड़ेगांव में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम बोड़ेगांव के पंचायत भवन में आयोजित चिकित्सा शिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक डॉ एम सरस्वती, नर्स श्रीमती प्रभा सैमुएल, फार्मासिस्ट श्री सूसन जैकब, पंजीयन हेतु श्री मंजूर अली तथा सीएसआर विभाग से श्री अंजनी कुमार द्विवेदी उपस्थित थे। इस शिविर में कुल 59 लोगों की जांच करके उनको दवाईयों का वितरण किया गया, जिसमें 10 पुरुष, 10 महिलाएं एवं 39 बच्चे लाभान्वित हुए।

लर्निंग लायसेंस हेतु परिवहन सुविधा केन्द्र स्थापित, संचालकों को दी गई योजना की जानकारी

श्रमबिन्दु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन परिवहन विभाग दुर्ग संभाग अंतर्गत जिला मुख्यालय में लर्निंग लायसेंस बनाने हेतु परिवहन सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। परिवहन सुविधा केन्द्र में शिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्धता और साथ ही आम जनता को परिवहन से संबंधित सेवाएं आसानी से घर के निकट उपलब्ध कराई जा रही है।

परिवहन एवं यातायात विभाग द्वारा दुर्ग जिले के अंतर्गत वाहनों की जांच प्रारंभ

दुर्ग जिले अंतर्गत संचालित स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित यातायात को ध्यान में रखते हुए स्कूली बच्चों को लाने ले जाने हेतु संचालित आटो, वेन आदि की परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग दुर्ग द्वारा संयुक्त रूप से जांच प्रारंभ किया गया। जिसमें क्षमता से अधिक व असुरक्षित बच्चों को बिठाने व अवैधानिक रूप से संचालित 21 ऑटो रिक्शा, टाटा मैजिक, वैन पर चालानी कार्यवाही करते हुए 82 हजार रूपए शमन शुल्क वसूल की गई है। 05 ऑटो बिना परमिट फिटनेस व बीमा के चलाते हुए पाये जाने पर उसकी जप्ती कार्यवाही की गई है। इसी अनुक्रम में दिल्ली पब्लिक स्कूल भिलाई के स्कूल बस में क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन करते पाये की शिकायत पर 5 हजार रूपए शमन शुल्क वसूल करते हुए स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया। अन्य स्कूल प्रबंधकों को भी ऑटो रिक्शा व अन्य प्रायवेट वाहनों स्कूली बच्चों के परिवहन नहीं किये जाने हेतु हिदायत दी गई है। आगामी दिनों में भी सतत् रूप से बस स्टैण्ड, रेल्वे स्टेशन आदि से बिना परमिट, फिटनेश व बीमा के चलने वाले ऑटो रिक्शा, स्कूली वेन एवं स्कूल बसों पर आदि पर कार्यवाही किया जाएगा। उक्त जांच क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एस.एल. लकड़ा परिवहन निरीक्षक विष्णु प्रसाद ठाकुर, विकास शर्मा, परिवहन उप निरीक्षक प्रभा तिवारी एवं यातायात विभाग के उप पुलिस अधीक्षक सतीश ठाकुर एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

परिवहन सुविधा केन्द्र के संचालकों के साथ योजना से संबंधित बिन्दुओं पर परिचर्चा किया गया। श्री प्रतीक शुक्ला द्वारा योजना के सफल क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अवगत कराया कि राज्य शासन परिवहन सुविधा केन्द्र के संचालन हेतु जारी किए दिशा-निर्देशों के अनुसार ही कार्य संपन्न किया जाना है।

जिस व्यक्ति/स्थान हेतु अनुमति दिया गया है, उन्हीं व्यक्ति/स्थान पर सुविधा केन्द्र संचालित किया जाना अनिवार्य है। परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा सम्पादित किए जाने वाली कार्यों हेतु शासन द्वारा निर्धारित शुल्क के अनुसार ही शुल्क लिया जाए। परिवहन सुविधा केन्द्र में स्थापित सीसीटीवी उच्च गुणवत्ता वाली होनी चाहिए, साथ ही इसका रिकार्ड निर्धारित 06 माह तक किया जाना आवश्यक है। लर्निंग लायसेंस हेतु निर्धारित उम्र हेतु मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र एवं विकलांग की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा विकलांग प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से पोर्टल में अपलोड किया जाना है। परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा सम्पादित किये जाने वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमिताएं नहीं किया जाना है, अन्यथा उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आजादी के आंदोलन पर आधारित फिल्म सामूहिक रूप से देखें - रघु ठाकुर

श्रमबिन्दु / ललितापुर

भारत छोड़ो आन्दोलन की पृष्ठभूमि में ' कांग्रेस रेडियो ' के लिए उषा मेहता , राममनोहर लोहिया व उनके साथियों के योगदान पर बनी फिल्म ' ऐ वतन, मेरे वतन ' का आज ग्रांड सिद्धि होटल ललितपुर में प्रदर्शन किया गया। सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट व गांधीवादी चिंतक रघु ठाकुर की पहल से यह आयोजन ललितपुर के साथियों के साथ मिल कर किया गया।

फिल्म के प्रदर्शन से पहले रघु ठाकुर ने कहा ' ए वतन, मेरे वतन ' फिल्म स्वतंत्रता आंदोलन से उपजे मूल्यों पर आधारित है। इस फिल्म को सामूहिक रूप से देखने से उन मूल्यों का प्रभावी संप्रेषण होता है। यह फिल्म प्रेरणा और संकल्प दोनो है।

बुंदेलखंड संघर्ष मोर्चा के भूपेंद्र जैन ने कहा- ' बंदूक की लड़ाई आसान होती है। लेकिन गांधीजी के नेतृत्व में भारत के असंख्य लोगों ने अहिंसक संघर्ष करना सीखा। फिल्म के नायक राममनोहर लोहिया व बाईस साल की लड़की उषा मेहता है जिनकी पहल से स्वतंत्रता के आंदोलन में जुड़े लोगों ने विदेशी हुकूमत के समांतर स्वतंत्रता आंदोलन के प्रसार के लिए संचार व्यवस्था कायम करने की कोशिश की।

वक्ताओं ने कहा कि इस फिल्म के नायक डा. राममनोहर लोहिया, उषा मेहता सहित अनेक लोगों ने स्वाधीनता के लिए जो यातनाएं सहीं उनकी कल्पना करना कठिन है। पराधीन भारत में लोग देश के लिए हंसते हुए जेल जाते थे, कष्ट सहते थे। लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि स्वाधीन भारत में अब देश के लिए बहुत कम लोग जेल जाने को तैयार होते हैं। देश के लिए जो निस्वार्थ भाव से संघर्ष करते हैं, यातना सहते हैं, वही वास्तविक नायक होते हैं। उल्लेखनीय है कि रघु ठाकुर व समता ट्रस्ट की पहल से यह फिल्म कुछ समय पहले दिल्ली,भोपाल, सागर, रांची, और रायपुर में भी दिखाई गयी थी।

लिफ्टिंग सुपरवाइजर के बहन की शादी के लिए दिए 25 हजार

श्रमबिन्दु / भिलाई

भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए लिफ्टिंग सुपरवाइजर संजय साहू रूआबांधा भिलाई की बहन ज्योति साहू की शादी पर 25 हजार रुपए नगद राशि भेंट किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, संरक्षक सुधीर सिंह ठाकुर, महेंद्र सिंग, कार्यकारणी अध्यक्ष अनिल चौधरी, महासचिव मलकीत सिंग, बलजिंदर सिंग, जोगा राव, संतोष मिश्रा, विक्की सिंह, पीताम्बर साहू, आशीष पांडे, रमन राव, गुरप्रीत सिंग, गौतम दादा, सोमनाथ सिंह, रामेश्वर, योगेश रावत, दिलीप एवं अन्य सदस्यों ने कुमारी ज्योति को शादी की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाए दी।

सड़क पर बैठे मवेशियों को पकड़ने का काम जारी

श्रमबिन्दु / भिलाई

नगर निगम भिलाई क्षेत्र में रोका छेका अभियान के अंतर्गत सड़क पर बैठे जानवरों को पकड़ने का काम जारी है। बारिश के मौसम में मक्खी के वजह से अक्सर देखा जाता है कि जानवर सड़क के मध्य में आकर बैठ जाते हैं। जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। उसी के देखते हुए आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने आदेश जारी किया।

सभी जोन में रोका छेका अभियान के अंतर्गत पहले मुख्य मार्ग को जानवरों से खाली कराया जाए, उसके बाद अंदर के मार्गों को भी खाली कराया जावे। सभी पालतू जानवरों के मालिकों को निर्देश है कि अपने-अपने जानवरों को अपने घरों में बांध के रखें। सड़क पर मत छोड़े इन्हीं जानवरों के कारण दुर्घटना हो जाती है। आज की कार्रवाई जोन 1 नेहरू नगर चौक से घड़ी चौक सुपेला, घड़ी चौक से गदा चौक से अवंती बाई चौक और अवंती बाई चौक से कोहका तक सड़क पर बैठे जानवरों को हटाया गया। पकड़ कर डी मार्ट के पास गोठान में लाया गया। अभियान में जोन सहायक राजस्व अधिकारी मलखान सिंह सोरी, तोड़ू दस्ता एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी सहयोगी रहे । यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगा।

जीवन व भविष्य के लिए पौधे लगाएं :अनिता अग्रवाल

श्रमबिन्दु / भिलाई

वी डिस्ट्रिक्ट 323 जी-3 के चार्टर डे के अवसर पर वी क्लब भिलाई ग्रेट एवं लायन्स क्लब भिलाई ग्रेट द्वारा गिंदोड़ी देवी चैरिटेबल हॉस्पिटल में वृक्षारोपण किया गया। आंवला, आम, बादाम नीम, पीपल, बड़, बेल आदि के लगभग 50 पौधे दोनों क्लबों के मेम्बर्स द्वारा लगाए गए।

इस अवसर पर चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट वी अनिता अग्रवाल ने सभी साथियों को पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने बच्चों का जीवन एवं भविष्य दोनो चाहते हैं तो हमे न केवल पौधों को लगाना होगा बल्कि उनकी देखभाल भी करनी होगी। इस अवसर पर डॉ राघवेंद्र शर्मा, लायन प्रमिला मित्तल, लायन भारती अग्रवाल, लायन अनिता पांडेय, लायन सरोज अग्रवाल, लायन बबीता सोनी, लायन मीरा अग्रवाल, वी सरोज दिनोदिया, वी मंजू शर्मा, वी मंजू बंसल, वी प्रभा पटेल उपस्थित थे।

जामुल नपा में प्रेसीडेंट इन काउंसिल की बैठक में सभी प्रस्तावों पर स्वीकृति

श्रमबिन्दु / जामुल

नगर पालिका परिषद जामुल में प्रेसीडेंट इन काउंसिल की बैठक अध्यक्ष के कक्ष में किया गया। बैठक में कुल चालीस विषयों पर चर्चा कर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान किया गया ।

नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि नगर विकास को प्राथमिकता में रखते हुए सभी प्रस्तावों का स्वीकृति एवं अनुमोदन किया गया है। जिनमें विशेष रूप से उप मुख्यमंत्री की घोषणा अधोसंरचना मद अटल चौक स्थापना एवं जामुल नगर में भक्त माता कर्मा चौक, बाजार चौक रावण भाठा में सौ फीट तिरंगा झंडा, भगवान परशु राम चौक, महाराणा प्रताप चौक सौंदर्यीकरण एवं बैडमिंटन कोर्ट के लिए लगभग एक करोड़ पचास लाख रूपये लागत का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है।

साथ ही मुलभुत कार्यो के लिए क्रय सामग्री के लिए 75 लाख रूपये व्यय दर का अनुमोदन किया गया।

अन्य कार्य जैसे बोर खनन, मार्ग निर्माण, कब्जा मुक्त, जमीन में हट्टी बाजार, शासकीय महाविद्यालय के लिए फर्नीचर क्रय, दीदी बर्तन बैंक हेतु क्रय राशि का अनुमोदन, सफाई कर्मचारियों की सुविधा के लिए ईपीएफ एवं ईएसआईसी अंशदान जमा करने एवं प्लेसमेंट श्रमिक प्रदाय हेतु निविदा आमंत्रण, समग्र शिक्षा अंतर्गत शाला उन्नयन हेतु स्वीकृति प्रदान किया गया ।

इसके साथ ही फिल्टर प्लांट संधारण एवं उन्नयन सहित एवं अन्य कार्यों हेतु राशि 20 लाख रूपये की प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया है। नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि मुक्तिधाम के उन्नयन हेतु अपने स्वयं के निधि से राशि उन्नीस लाख पन्चानवे हजार के प्राक्कलन को स्वीकृत किया गया है। पीआईसी की बैठक में मुख्य रूप से आवास पर्यावरण एवं लोक निर्माण प्रभारी खम्हन ठाकुर, जलकार्य प्रभारी अहिल्या वर्मा, राजस्व प्रभारी एवं बाजार प्रभारी कविता विश्वाल, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रभारी शांति टंडन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति नियोजन प्रभारी चुम्मन वर्मा सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी, सहायक अभियंता, उप अभियंता गण एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

ओवरलोडिंग से मिलेगी राहत, 11 केवी फीडर को दो भागों में बॉटा

लगभग 29 लाख 54 हजार रुपए की लागत से बना नया 11 के.व्ही.विद्युत फीडर कोटनी चार्ज, बघेरा जोन एवं वितरण केंद्र के लगभग 1850 उपभोक्ता होंगे लाभान्वित

श्रमबिन्दु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र द्वारा उपभोक्ताओं एवं किसानों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिए नित नये कार्य किए जा रहे हैं। विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में एक नई कड़ी जोड़ते हुए लगभग 29 लाख 54 हजार रुपए की लागत से जवाहर नगर जोन के अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. कर्मचारी नगर सबस्टेशन से निकलने वाली लगभग 15 किलोमीटर दूरी के एसटीएफ फीडर को दो भागों में बांटकर नये 11 के.व्ही. कोटनी फीडर को चार्ज किया गया है, जिससे पूर्व से स्थापित फीडर पर लोड कम होगा और उपभोक्ताओं को बिना किसी व्यवधान के विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी। उक्त नये 11 के.व्ही फीडर को मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर द्वारा चार्ज किया गया।

मुख्य अभियंता श्री जामुलकर ने बताया कि 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र(सबस्टेशन) कर्मचारी नगर से बघेरा जोन एवं बघेरा वितरण केंद्र के लिए निकलने वाले 11 के.व्ही एसटीएफ फीडर पर लोड बहुत अधिक हो रहा था जिसे उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान करने के लिए दो लगभग 8-8 किलोमीटर 11 के.व्ही. लाइन के साथ विभाजित कर नये 11 के.व्ही. कोटनी फीडर चार्ज किया गया, जिससे शहर में विद्युत व्यवधान एवं लोड को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि उक्त फीडर के चार्ज होने से बघेरा वितरण केंद्र के कोटनी बस्ती के साथ पंप के पूरे वितरण ट्रांसफार्मर अलग हो जाएंगे, जिससे बीड़ी कालोनी, बजरंग चौक, मुर्राभाटा, सुंदर नगर, दमान्द पारा, उरला, ब्रम्हकुमारी, हाउसिंग बोर्ड, एसटीएफ कॉलोनी बघेरा एवं आसपास के क्षेत्र को बिना किसी व्यवधान के विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा सकेगी। श्री जामुलकर ने बताया कि उक्त फीडर के चार्ज होने से बघेरा जोन एवं बघेरा वितरण केंद्र के लगभग 1850 उपभोक्ताओं एवं किसानों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा सकेगी।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता शहर वृत्त तरुण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता नगर संभाग दुर्ग रवि कुमार दानी, कार्यपालन अभियंता एसटीएम शहर संतोष मिश्रा, सहायक अभियंतागण ढालेश्वर साहू, श्वेता वर्मा, राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, अंजू देसाई, नवीन वर्मा, एम.के.साहू, आलोक साहू एवं कनिष्ठ अभियंता जसवंत सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

संपादकीय...

असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं। कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है।

नेतृत्व की शालीनता से ही समृद्ध लोकतंत्र

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना जनतांत्रिक देश है। हमें किसी से जनतांत्रिक परंपराएं सीखने की आवश्यकता नहीं है। जनतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं हमारे देश में। लेकिन इसके बावजूद कई बार ऐसा लगता है कि हमारे नेता या तो जनतांत्रिक परंपराओं को निभा नहीं रहे या फिर उन परंपराओं को समझ नहीं रहे। अब इन्हीं चुनाव की बात करें- मतदाता ने अपना निर्णय स्पष्ट दिया है : एनडीए गठबंधन सरकार बनाये और इंडिया गठबंधन विपक्ष का दायित्व निभाये। इसके बाद कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए, लेकिन अठारहवीं लोकसभा के पहले ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसदों का रहा है, वह सवालिया निशान तो लगाता ही है कि जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति हम कितने सजग हैं?

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद-प्रस्ताव को लेकर जिस तरह की बहस दोनों सदनों में देखने-सुनने को मिली है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त करने वाली तो नहीं ही है। दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों ने विपक्ष को खरी-खोटी सुनायी। दोनों सदनों में नेता-विपक्ष के वक्तव्यों में से कुछ शब्द हटा दिये गये अर्थात? रिकॉर्ड में वे शब्द नहीं रहेंगे। असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं। कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है। सदस्यों को निष्कासित करके ऐसे व्यवहार को उजागर तो किया जाता है, पर यह प्रक्रिया इस हद तक अतार्किक हो जाती है कि पिछली संसद में से सौ से अधिक सांसदों का निष्कासन किया गया! लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ने यह निर्णय अपने विवेक से किया होगा, इस पर सवाल तो उठता ही है कि इस तरह की कार्रवाई को कितना जनतांत्रिक कहा जा सकता है? सवाल यह भी उठता है कि आखिर सांसदों या विधायकों का सदन में, और सदन के बाहर भी, व्यवहार कैसा होना चाहिए?

इस संदर्भ में मुझे ब्रिटेन के नए और पिछले प्रधानमंत्री के भाषण याद आ रहे हैं। हाल के चुनाव में ब्रिटेन के मतदाता ने सरकार पलट दी है। कंजरवेटिव पार्टी का शासन मतदाता ने नकार दिया है और लेबर पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया गया है। भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री स्टार्मर्स ने इस अवसर पर जो भाषण दिए हैं उनमें ऐसा बहुत कुछ है जो बताता है कि राजनेताओं को एक-दूसरे के प्रति किस तरह का व्यवहार करना चाहिए। अपनी हार को स्वीकार करते हुए ऋषि सुनक ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, वे इस हार का दायित्व लेते हैं और नयी सरकार को ब्रिटेन के हित में काम करने में हर उचित सहयोग देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि 'नये प्रधानमंत्री की सफलता हम सब की सफलता होगी। वे जन-हित के लिए काम करने वाले ऐसे उत्साहित व्यक्ति हैं, जिनका मैं सम्मान करता हूं।' ऐसा ही सम्मान प्रधानमंत्री चुने जाने वाले स्टार्मर्स ने भी ऋषि सुनक के प्रति व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं निवर्तमान प्रधानमंत्री को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देना चाहता हूं। वे हमारे देश के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री थे। इस नाते उन्हें कुछ कर पाने के लिए जो अतिरिक्त प्रयास और मेहनत करनी पड़ी उसे कम करके नहीं आंका जा सकता। हम उसकी प्रशंसा करते हैं। हम उनकी निष्ठा और मेहनत को भी स्वीकारते-समझते हैं।'

ये शब्द ब्रिटेन के उन दो राजनेताओं के हैं जो कल तक चुनावी-मैदान में एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े थे। ऐसा नहीं है कि वहां एक-दूसरे पर राजनेता आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाते। आरोप सब जगह लगते हैं। कुछ कटुता भी होती होगी। लेकिन नेतृत्व से जिस तरह की शालीनता की अपेक्षा होती है, कम से कम इस समय तो उनके व्यवहार में वह स्पष्ट दिख रही है।

ऐसा नहीं है कि हमारे यहां विभिन्न दलों के राजनेताओं के बीच पारस्परिक संबंध नहीं होते। ढेरों उदाहरण हैं इस आशय के जिनसे यह पता चलता है कि नीतिगत विरोध का अर्थ दुश्मनी नहीं होता। लेकिन ऐसे भी उदाहरण कम नहीं हैं जो बताते हैं कि या तो हमारे नेताओं में पारस्परिक संबंधों वाली परिपक्वता नहीं है या फिर यह कि नेताओं को लगता है कि संबंधों की मधुरता का कोई लक्षण दिख गया तो उनके राजनीतिक हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ जायेगा। चुनावी-सभाओं में तो नेताओं के विरोधी तेवर अक्सर दिख जाते हैं, और एक सीमा तक उनकी 'आवश्यकता' को समझा भी जा सकता है, लेकिन संसद और राज्यों की विधानसभाओं में जब राजनीतिक विरोध शालीनता की सीमाएं लांघता दिखता है तो हैरानी भी होती है और दुख भी होता है। यह समझना आसान नहीं है कि देश के 15वें प्रधानमंत्री पहले प्रधानमंत्री को लेकर असहज क्यों दिखते हैं? यह समझना भी मुश्किल है कि संसद के सदनों में पीठासीन अधिकारी डंडा लेकर पढ़ाई करवाने वाले अध्यापक की तरह व्यवहार करना ज़रूरी क्यों समझते हैं। सदस्यों के कथित अनुचित व्यवहार को रेखांकित करने के लिए उन्हें जिस तरह डांटा जाता है।

चमत्कारिक महिला अवतरित

हरिशंकर व्यास

इन दिनों इंटरनेट पर एक चमत्कारिक महिला अवतरित है। वह लोगों को 30-30 सेकेंड के टिप्स दे रही है, जिनसे उनकी समस्याएं चुटकियों में खत्म हो जाएगी। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे उसके कई वीडियोज में एक वीडियो में वह महिला बताती है कि जिनके खिलाफ मुकदमे चल रहे हैं वे अदालत में जाएं और वहां की कैंटीन से एक पेप्सी की बोतल खरीद कर सारी पेप्सी वहां के टॉयलेट में बहा दें और बोतल व ढक्कन साथ लेकर आ जाएं तो मुकदमे का फैसला उनके पक्ष में हो जाएगा।

ऐसा लग रहा है कि निर्मल बाबा की सक्रियता कम होने से जो जगह खाली हुई है उसे भरने की प्रतिस्पर्धा में इस महिला ने बाजी मारी है। दो दो सिगरेट एक साथ पीने वाली एक दूसरी महिला, सिगार वाली माता भी इन दिनों सोशल मीडिया में धूम मचाए हुए हैं। एक तीसरी महिला लोगों के थोड़े से बाल काट कर उनकी सारी समस्याओं को खत्म करने का दावा करती है। उसका भी जलवा सोशल मीडिया में बहुत दिख रहा है। मंत्र पढ़ कर बीमारी ठीक करने वाले एक बाबा की भी इन दिनों बहुत चर्चा है। मतलब यह है कि जिन बाबाओं को जमीन पर स्पेस नहीं मिल रहा है उनके लिए इंटरनेट का स्पेस है, जहां उन्होंने लाखों, करोड़ भक्त बना लिए हैं।

सवाल है कि 21वीं सदी में ऐसा क्या हुआ, जिससे अचानक ऐसे बाबाओं, साधुओं की बाढ़ आई और ऐसी क्या परिघटना हुई, जो अपने 33 करोड़ देवी देवताओं के होते हुए भी दुखिया हिंदू समाज के लोग इन बाबाओं की शरण में अपने लिए राहत खोजने में लगे है? इसके तीन स्पष्ट कारण हैं। पहला आधुनिक समय में लोगों की बढ़ती मुश्किलें और उनका समाधान नहीं होना। दूसरा, सांस्थायिक रूप से अंधविश्वास को बढ़ावा देना और तीसरा, हिंदू धर्म के अंदर इस्लाम और ईसाई धर्म के चमत्कार की बातों को स्वीकार करके उनके जैसा बनने की प्रवृत्ति।

पहले और तीसरे कारण को एक साथ मिला कर अगर बारीकी से देखें तो ऐसे सारे बाबा चमत्कार दिखाने का वादा करके लोगों को भक्त बना रहे हैं। देश के 140 करोड़ लोगों में हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की समस्या से ग्रस्त है। मौजूदा व्यवस्था ने लोगों का जीवन बेहद मुश्किल बना दिया है और लोगों को राजनीतिक, सामाजिक, प्रशासनिक और बहुत हद तक पारंपरिक धार्मिक व्यवस्था से भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। तभी वह ऐसे चमत्कारिक बाबाओं की शरण में जाता है। बाबा उसको अपना बच्चा बताते हैं, उनकी समस्याओं को दूर करने का वादा करते हैं, उनको भावनात्मक सहारा देते हैं, जो दूसरी किसी व्यवस्था से उनको नहीं मिलता है। तभी लोग ऐसे बाबाओं को मुरीद हो जाते हैं। अपनी समस्या में कोई ठोस राहत नहीं मिलने के बावजूद वे बाबा के गुणगान करते रहते हैं। कुछ समय पहले तक इस तरह के चमत्कारिक काम ईसाई धर्मगुरू लोग करते दिखते थे। टेलीविजन चैनलों पर इनका प्रसारण होता था, जिसमें अपने का ईसा मसीह का दूत बताने वाले धर्म गुरू कथित तौर पर असाध्य रोगों से ग्रस्त लोगों को मंच पर बुलाते थे, कोई मंत्र बुदबुदाते थे, पवित्र जल उसके ऊपर छिड़कते थे और वह व्यक्ति ठीक हो जाता था।

ध्यान रहे इस्लाम और ईसाइयत दोनों सांस्थायिक धर्म हैं, जिनकी एक संरचना है, एक सर्वोच्च धर्मगुरू होता है, एक सर्वोच्च किताब होती है, एक सर्वोच्च धर्मस्थल होता है लेकिन हिंदू धर्म में ऐसा नहीं है। इसमें करोड़ों देवी देवता हैं, लाखों धर्मगुरू हैं और हजारों धार्मिक किताबें हैं। क्षेत्र विशेष और जाति विशेष के हिसाब से लोगों के कुल देवता या कुल देवी हैं, जिनकी वे पूजा करते थे।

सरकार की पहली प्राथमिकता जनगणना

नई लोकसभा का पहला सत्र संपन्न हो गया है और अब सरकार मानसून सत्र की तैयारी कर रही है, जिसमें वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश किया जाएगा। तीन जुलाई को खत्म हुए संसद सत्र में जनगणना को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। सवाल है कि 23 जुलाई को आने वाले बजट में क्या सरकार जनगणना की घोषणा करेगी और उसके लिए जरूरी धन का आवंटन करेगी? कायदे से यह भारत सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए कि जनगणना कराई जाए। हर 10 साल पर होने वाली जनगणना आखिरी बार 2011 में हुई थी। अभी तक सरकार उसी के आंकड़ों के आधार पर जन कल्याण की योजनाएं बना रही है। सब कुछ अनुमान के आधार पर हो रहा है, जिससे करोड़ों लोगों को सरकार की योजनाओं के दायरे से बाहर छूट जाने की आशंका है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक लोक कल्याण की योजनाओं को पहुंचाने और प्रभावी नीति निर्धारण के लिए जरूरी है कि जनगणना हो।

अजीत द्विवेदी

ध्यान रखने की जरुरत है कि जनगणना होते ही उसके आंकड़े नहीं मिल जाते हैं। अंतिम आंकड़े आने में बहुत समय लगता है। अगर अभी जनगणना होगी और डिजिटल तरीके से होगी, जिसकी संभावना जताई जा रही है तब भी कम से कम दो साल लगेंगे अंतिम आंकड़े आने में। अगर जनगणना डिजिटल नहीं होती तो अंतिम आंकड़े आने में तीन से चार साल का समय लगता। सो, अगर अब भी प्राथमिकता के आधार पर जनगणना होती है तो 2026 से पहले अंतिम आंकड़े नहीं मिल पाएंगे। इससे ज्यादा समय भी लग सकता है। तभी यह आशंका भी जताई जा रही है कि सरकार जनगणना को टाल सकती है। क्योंकि 2024 में अगले तीन चार महीने में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। इस वजह से साल के अंत में ही जनगणना का काम शुरू होगा तो उसके अंतिम आंकड़े 2027 तक आएंगे। इसके दो साल बाद यानी 2029 से 2031 की जनगणना का काम शुरू करना होगा। ऐसे में अभी जनगणना टाली जा सकती है और कुछ अन्य सर्वेक्षणों व पुराने आंकड़ों के आधार पर तब तक काम चलाया जा सकता है।

लेकिन सवाल है कि सरकार ऐसा कैसे कर सकती है? नरेंद्र मोदी सरकार ने महिला आरक्षण के लिए नारी शक्ति वंदन का जो कानून पास किया है उसमें कहा गया है कि परिसीमन के बाद इसे लागू किया जाएगा। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने परिसीमन को लेकर जो संशोधन किया था उसके मुताबिक 2026 तक परिसीमन पर रोक है और उसमें कहा गया है कि उसके बाद होने वाली जनगणना के आधार पर ही परिसीमन

किया जाएगा। तभी संभव है कि केंद्र सरकार इसे 2026 के बाद ही कराए या ऐसी टाइमलाइन बना कर कराए कि आंकड़े 2026 के बाद आएं और उसके आधार पर परिसीमन हो और 2029 से महिला आरक्षण भी लागू हो और एक साथ चुनाव का नियम भी लागू हो।

बहरहाल, जनगणना का क्या होगा, यह सरकार जाने लेकिन इसकी तत्काल जरुरत से इनकार नहीं किया जा सकता है। गौरतलब है कि भारत सरकार ने 2019 में जनगणना की अधिसूचना जारी कर दी थी और 2020 में पहले चरण में मकानों के सर्वे का काम शुरू होने वाला था। लेकिन उसी समय कोरोना की महामारी फैल गई, जिसकी वजह से पहले चरण का काम भी नहीं हो पाया। हालांकि कोरोना की महामारी खत्म हुए भी दो साल से ज्यादा हो गए हैं। कोराना की दूसरी और बेहद घातक लहर 2021 के जुलाई तक खत्म हो गई थी। उसके बाद 2022 के शुरू तक देश के ज्यादातर लोगों को वैक्सीन की कम से कम एक डोज लग चुकी थी। इसके बावजूद जनगणना का काम नहीं शुरू किया गया। तभी सरकार की मंशा पर सवाल भी उठ रहे हैं। अगर सरकार चाहती तो अब तक जनगणना हो चुकी होती और अगले कुछ दिन में प्रारंभिक आंकड़े मिल जाते।

बहरहाल, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। क्योंकि नजगणना के आंकड़ों के बगैर प्रभावी नीति निर्धारण संभव नहीं है और न समाज के वंचित व पिछड़े तबके तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा सकना संभव है। यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि जनगणना सिर्फ नागरिकों की संख्या गिनने का जरिया नहीं है। नागरिकों की संख्या का मोटा मोटी अनुमान तो सबको है। सब जान रहे हैं कि भारत की आबादी 142 करोड़ के करीब पहुंच गई है। इस संख्या की पुष्टि भर के लिए जनगणना नहीं होती है। जनगणना एक महती प्रक्रिया है, जिससे ढेरों आंकड़े जुटाए जाते हैं। ये आंकड़े सिर्फ सरकार के काम नहीं आते हैं। प्रशासकों से लेकर नीति निर्धारकों और गैर सरकारी संगठनों से लेकर अर्थशास्त्रियों, वैश्विक संस्थाओं और जनसंख्या के क्षेत्र में काम करने वाले जानकारों को इससे बहुत मदद मिलती है। लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के साथ साथ स्कूल बनवाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व अस्पतालों के निर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे के निर्माण तक में जनसंख्या के आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीबों को मिलने वाले अनाज के वितरण पर इसका बड़ा असर होता है। पीडीएस सिस्टम पर काम करने वाले अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज का मानना है कि 2011 के आंकड़ों के आधार पर अभी तक यह काम हो रहा है और इस वजह से 10 करोड़ के करीब लोग इस योजना के लाभ से वंचित हो जाएंगे।

जनगणना से नागरिकों की संख्या का आंकड़ा तो मिलता है कि साथ ही देश की विविधता की भी एक तस्वीर सामने आती है। इससे सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता की वास्तविक जानकारी मिलती है। इससे अलग अलग मानकों पर और अलग अलग पहलुओं से नागरिकों के अध्ययन की सुविधा प्राप्त होती है। केंद्र सरकार जब राज्यों के लिए अनुदान आदि की योजना तैयार करती है या बजट में इनके प्रावधानों का मौका आता है तो जनगणना के आंकड़े ही उसके निर्धारण का आधार बनते हैं।

जनगणना से राज्यों के नागरिकों की वास्तविक आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक स्थिति का पता चलता है। राज्यों को उनकी आबादी और उसकी वास्तविक आर्थिक स्थितियों के अनुरूप केंद्र सरकार की मदद मिले, इसके लिए जनगणना के आंकड़े जरूरी होते हैं। 16वें वित्त आयोग का गठन हो गया है, जिसके अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया हैं। वित्त आयोग को केंद्र व राज्यों के बीच राजस्व के वितरण का संतुलित रास्ता सुझाना होता है। जीएसटी की व्यवस्था लागू होने के बाद यह वितरण थोड़ा विवादित हो गया है। जनसंख्या के आंकड़े इसमें अहम भूमिका निभा सकते हैं। संघीय ढांचे के तहत किसी भी राज्य के साथ भेदभाव न हो इसके लिए भी जरूरी है कि जनसंख्या के वास्तविक आंकड़े सामने आएं और राज्यों की आबादी की विविधता और उनकी सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्थिति का पता चले।

रेल पथ की स्वच्छता का तैयार हो रोडमैप

पंकज चतुर्वेदी

हाल ही में केरल हाईकोर्ट ने एक स्वत: संज्ञान मामले में कड़े शब्दों में कहा कि रेलवे थोक में कचरा पैदा कर रहा है क्योंकि पटरियों पर पाया जाने वाला अधिकांश कचरा ट्रेनों से आता है। न्यायालय ने कहा कि रेलवे का कर्तव्य है कि वह पटरियों के करीब कचरा फेंकना बंद करे। खास बात यह कि पटरियों पर फेंका गया कचरा जल निकायों में बह जाता है जिससे पर्यावरण को काफी नुकसान होता है। हालांकि स्टेशनों के पास कचरे का उचित प्रबंधन किया जाता है, लेकिन पटरियों के किनारे से कचरे को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जाते हैं। न्यायालय ने कहा कि डंपिंग का एक कारण डिब्बों में पर्याप्त डस्टबिन नहीं होना है।

भारतीय रेल 66 हजार किलोमीटर से अधिक के रास्तों के साथ दुनिया का तीसरा सबसे वृहत? नेटवर्क है, जिसमें हररोज बारह हजार से अधिक यात्री रेल और करीब सात हजार मालगाड़ियां 24 घंटे दौड़ती हैं। अनुमान है, इस नेटवर्क में हररोज करीब दो करोड़ तीस लाख यात्री तथा एक अरब मीट्रिक टन सामान की ढुलाई होती है। विडंबना है, पूरे देश की रेल पटरियों के किनारे गंदगी, कूड़े और सिस्टम की उपेक्षा की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। कई जगह तो प्लेटफार्म भी अतिक्रमण, अवांछित गतिविधियों और कूड़े का ढेर बने हैं।

देश की राजधानी दिल्ली से आगरा के रास्ते दक्षिणी राज्यों, सोनीपत-पानीपत के रास्ते पंजाब, गाजियाबाद की ओर से पूर्वी भारत, गुरुग्राम के रास्ते जयपुर की ओर जाने वाले किसी भी रेलवे ट्रैक को दिल्ली शहर के भीतर ही देख लें तो जाहिर हो जाएगा कि देश के असली कचरा-घर तो रेल पटरियों के किनारे ही संचालित हैं। सनद रहे, ये सभी रास्ते विदेशी पर्यटकों के लोकप्रिय रूट हैं और जब दिल्ली आने से 50 किलोमीटर पहले से ही पटरियों के दोनों तरफ कूड़े, गंदे पानी, बदबू का अम्बार दिखता है तो उनकी निगाह में देश की कैसी छवि बनती होगी।

सराय रोहिल्ला स्टेशन से जयपुर जाने वाली ट्रेन लें या अमृतसर या चंडीगढ़ जाने वाली वंदे भारत, जिनमें बड़ी संख्या में एनआरआई भी होते हैं, गाड़ी की खिड़की से बाहर देखना पसंद नहीं करते। इन रास्तों पर रेलवे ट्रैक से सटी झुग्गियां, खुले में शौच जाते लोग उन विज्ञापनों को मुंह चिढ़ाते दिखते हैं जिनमें सरकार के स्वच्छता अभियान की उपलब्धियों के आंकड़े होते हैं।

असल में रेल पटरियों के किनारे की कई-कई एकड़ भूमि अवैध अतिक्रमणों की चपेट में है। इन पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भूमाफिया का कब्जा है जो वहां रहने वाले गरीब मेहनतकश लोगों से वसूली करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों के जीविकोपार्जन का जरिया कूड़ा बीनना या कबाड़ी का काम करना ही है। ये पूरे शहर का कूड़ा जमा करते हैं, अपने काम का सामान निकाल कर बेच देते हैं और बकाया को पटरियों के किनारे ही फेंक देते हैं, जहां धीरे-धीरे गंदगी के पहाड़ बन जाते हैं। यह भी आगे चलकर नई झुग्गी का मैदान होता है। दिल्ली से फरीदाबाद रास्ते को ही लें, यह पूरा औद्योगिक क्षेत्र है। हर कारखाने वाले के लिए रेलवे की पटरी की तरफका इलाका अपना कूड़ा, गंदा पानी आदि फेंकने का नि:शुल्क स्थान होता है। वहीं इन कारखानों में काम करने वालों के आवास, नित्यकर्म का भी बेरोकटोक गलियारा रेल पटरियों की ओर ही खुलता है।

कचरे का निपटान पूरे देश के लिए समस्या बनता जा रहा है। यह सरकार भी मानती है कि देश के कुल कूड़े के महज पांच प्रतिशत का ईमानदारी से निपटान हो पाता है। दिल्ली का तो 57 फीसदी कूड़ा परोक्ष-अपरोक्ष रूप से यमुना में बहा दिया जाता है या फिर पटरियों के किनारे फेंक दिया जाता है।

पटरियों के किनारे जमा कचरे में खुद रेलवे का भी बड़ा योगदान है। खासकर शताब्दी, वंदे भारत, राजधानी जैसी प्रीमियम गाड़ियों में, जिसमें ग्राहक को अनिवार्य रूप से तीन से आठ बार तक भोजन परोसने होते हैं। इन दिनों पूरा भोजन पेक्ड और सिंगल यूज बर्तनों में ही होता है। हर रोज अपना मुकाम आने से पहले खानपान व्यवस्था वाले कर्मचारी बचा भोजन, बोतलें, पैकिंग सामग्री के बड़े-बड़े थप्पे चलती ट्रेन से पटरियों के किनारे फेंक देते हैं। यदि हर दिन एक रास्ते पर दस डिब्बों से ऐसा कचरा फेंका जाए तो जाहिर है कि एक साल में उस वीराने में प्लास्टिक जैसी नष्ट न होने वाली चीजों का अम्बार होगा। कागज, प्लास्टिक, धातु जैसा कूड़ा तो कचरा बीनने वाले जमा कर रिसाइक्लिंग वालों को बेच देते हैं। सब्जी के छिलके, खाने-पीने की चीजें, मरे हुए जानवर आदि कुछ समय में सड़-गल जाते हैं। इसके बावजूद ऐसा बहुत कुछ बच जाता है, जो हमारे लिए विकराल संकट का रूप लेता जा रहा है। उल्लेखनीय है, यही हाल इंदौर ,पटना, बंगलूरु या गुवाहाटी या फिर इलाहबाद रेलवे ट्रैक के भी हैं। शहर आने से पहले गंदगी का अम्बार पूरे देश में एक समान ही है।

राजधानी दिल्ली का हो या फिर दूरस्थ कस्बे का रेलवे प्लेटफार्म, निहायत गंदे, भीड़भरे, अव्यवस्थित व अवांछित लोगों से भरे होते हैं, जिनमें भिखारी, अवैध वेंडर और यात्री को छोड़ने आए रिश्तेदारों से लेकर भांति-भांति के लोग होते हैं। ऐसे लोग रेलवे की सफाई के सीमित संसाधनों को तहस-नहस कर देते हैं। कुछ साल पहले बजट में रेलवे स्टेशन विकास निगम के गठन की घोषणा की गई थी, जिसने रेलवे स्टेशन को हवाई अड्डे की तरह चमकाने के सपने दिखाए थे। कुछ स्टेशनों पर काम भी हुआ, लेकिन जिन पटरियों पर रेल दौड़ती है और जिन रास्तों से यात्री रेलवे व देश की सुंदर छवि देखने की कल्पना करता है, उसके उद्धार के लिए रेलवे के पास न तो कोई रोडमैप है और न ही परिकल्पना।

एलएसी पर निरस्त्रीकरण आवश्यक

कजाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद के शिखर सम्मेलन में भारत ने दृढ़ता के साथ एक बार फिर चीन को स्पष्ट कर दिया कि दोनों देशों के बीच स्थायी शांति के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर निरस्त्रीकरण आवश्यक है।

पिछले पांच वर्षों से एलएसी पर दोनों देशों के बीच गतिरोध बना हुआ है। इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष के साथ बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि लद्दाख में टकराव के स्थल से सेना को पीछे हटाया जाए जिससे द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में आसानी होगी।

पूर्वी लद्दाख में 2020 में चीनी सैनिकों की घुसपैठ और उसके बाद भारतीय सैनिकों के साथ हुई झड़पों के कारण एलएसी पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। जाहिर है कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। जयशंकर और वांग यी की बातचीत के बाद दोनों देशों की ओर से कहा गया कि वे लद्दाख की गलबान घाटी में सेनाओं की तैनाती की वापसी और द्विपीय संबंध सामान्य बनाने की दिशा में आने वाले गतिरोधों को दूर करने का प्रयास करेंगे।

हालांकि यह समस्या बहुत छोटा करके देखने जैसे होगा कि दोनों देशों के विदेश मंत्री एक घंटे की बातचीत में कोई ऐसा चमत्कार कर देंगे कि सभी गतिरोध चुटकी बजाकर दूर हो जाएं। फिर भी इन दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात का विशेष महत्त्व है। जयशंकर और विशेषकर वांग यी ने यह तो स्वीकार किया ही है कि वर्तमान में दोनों देशों के बीच टकराव और तनाव की स्थिति नई दिल्ली और बीजिंग, दोनों के हित में नहीं है। पूर्वी लद्दाख में स्थित गलवान घाटी में चीन के दुस्साहस के कारण भारत की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है।

भारत अब चीन की धौंसपट्टी को नजरअंदाज कर हिन्द प्रशांत क्षेत्र में चीन विरोधी रणनीति में शामिल है। लेकिन वह चीन विरोधी सैन्य संगठन में शामिल होने के लिए तैयार नहीं है।

इतना जरूर है कि यदि चीन लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में कोई नई सैनिक कार्रवाई करता है तो भारत इसका मुकाबला करने के लिए पश्चिमी देशों के साथ जुड़ सकता है। आशावादी दृष्टिकोण यही कहता है कि यदि चीन का शीर्ष नेतृत्व बुद्धिमत्ता का परिचय दे तो संबंधों को पटरी पर लाया जा सकता है।

भारत स्टार्ट अप तथा नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र- प्रो. चक्रवाल

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर अलोक कुमार चक्रवाल ने स्पेन में दिनांक 7-11 जुलाई, 2024 को आयोजित संगोष्ठी में कहा कि भारत दुनिया में स्टार्ट अप और नवाचार के क्षेत्र में प्रगति करते हुए अग्रिम पंक्ति में अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहा है। विज्ञान एवं अभियांत्रिकी जैसे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में शोध उपाधि एवं अनुसंधान में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

कुलपति प्रो. चक्रवाल ने कहा कि भारत में स्टार्ट अप्स को विकसित करने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत स्टार्ट अप इकोसिस्टम उपलब्ध कराने वाला दुनिया का तीसरे नंबर का देश है। उन्होंने कहा कि आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि 2015-2022 के मध्य स्टार्ट अप की फंडिंग में 15 गुना से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई। जिसमें नौ गुना निवेशक तथा सात गुना इंक्यूबेटर्स की संख्या शामिल है। देश में लगभग 125 यूनिकॉर्न स्टार्ट अप का आंकलन 350 बिलियन डॉलर के करीब है।

कुलपति प्रो. चक्रवाल ने कहा कि भारत शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व में अपना अग्रणी स्थान बनाने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शोध उपाधि प्रदान करने वाला एवं शोध पत्र प्रकाशन के विषय में भारत तीसरे क्रम पर है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2023 के मुताबिक भारत दक्षिण मध्य एशिया की10 अर्थव्यवस्थाओं में प्रथम स्थान पर है।

कुलपति प्रो. चक्रवाल ने कहा कि शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र की ओर से निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। देश में शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एचएएल, एनआईएबी, एनआईओटी, आरजीसीबी और वीईसीसी जैसे संस्थान लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्यूएस रैंकिंग के अनुसार अपनी गुणवत्ता एवं मानकों को उच्चता प्रदान करने के क्षेत्र में भारत के उच्च शिक्षण संस्थान दुनिया के अन्य देशों की तुलना में दूसरे पायदान पर हैं।

कुलपति प्रो. चक्रवाल ने कहा कि भारत के शैक्षणिक योगदान में गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय अमूल्य योगदान दे रहा है। शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में नये प्रतिमान स्थापित कर रहा है जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ एमओयू हो रहे हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय को भारत की उच्चतम रैंकिंग नैक ए++ प्राप्त हुई है। इस संगोष्ठी का आयोजन स्पेनिश सर्विस फॉर इंटरलाइजेशन ऑफ एजुकेशन द्वारा किया गया जिसमें भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) का प्रतिनिधि मंडल शामिल हुआ है। संगोष्ठी में उच्च शिक्षा पद्धति, अकादमिक एवं शोध के क्षेत्र में परस्पर सहयोग तथा भारत और स्पेन के मध्य शैक्षिक आदान-प्रदान जैसे विषयों को शामिल किया गया है। इस संगोष्ठी में भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के प्रतिनिधि मंडल के साथ स्पेन के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुख शामिल हुए।

थाना कांसाबेल ने ट्रक से 33 नग गौवंश को तस्करी होने से बचाया तो वहीं जामपानी के जागरूक ग्रामीणों ने तस्करी होने से 09 नग गौवंश को बचाया

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह को दिनांक 10.07.2024 के प्रात: में मुखबीर से सूचना मिला कि कुछ लोग ट्रक क्रमांक जे.एच. 01 ए.आर. 7060 में भारी मात्रा में गौवंश को लोडकर बाकारूमा से तस्करी करते हुये रांची (झारखंड) की ओर जशपुर जिले में होते हुये ले जा रहे हैं, इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल थाना प्रभारी कांसाबेल निरीक्षक गौरव पांडेय एवं चौकी प्रभारी दोकड़ा उप निरीक्षक अशोक यादव के नेतृत्व में अलग-अलग टीम गठित कर नेषनल हाईवे-43 में नाकाबंदी करने हेतु रवाना किया गया, टीम द्वारा नेशनल हाईवे-43 के ग्राम ढूढरूडांड़ कोसा नर्सरी में जाकर नाकाबंदी करने के दौरान पत्थलगांव की ओर से ट्रक क्रमांक जे.एच. 01 ए.आर. 7060 आता दिखा, इसके चालक ने पुलिस को देखकर ट्रक को खड़ी कर दिया एवं उसमें सवार लोग लोग भागने लगे, भागने के दौरान के दौरान पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास कर दौड़ाकर मो. रहमान अंसारी को अभिरक्षा में लिया गया, भागने से मो. रहमान अंसारी के पैर में चोंट आई है।

पुलिस द्वारा मो. रहमान अंसारी से पूछताछ कर मेमोरंडम कथन लिया गया जिसमें उसने बताया कि वह ग्राम लहुंजोरा जिला गुमला का रहने वाला है एवं दिनांक 09.07.2024 की रात्रि लगभग 11:00 बजे ट्रक क्रमांक जे.एच. 01 ए.आर. 7060 (बारह चक्का) में 33 रास मवेशियों को लोडकर एवं उसके उपर तिरपाल को ढंककर तेजपुर घाटी के पास बाकारूमा रायगढ़ से अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रांची (झारखंड) की ओर क्रूरतापूर्वक तस्करी करते हुये ले जाना बताया है, ट्रक में सवार उसके साथी मौका पाकर भाग गये हैं, जिनकी पतासाजी की जा रही है। *अभियुक्त मो. रहमान अंसारी उम्र 30 साल निवासी लहुंजोरा जिला गुमला (झारखंड)* के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उसे दिनांक 10.07.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। इस प्रकरण की विवेचना एवं जप्ती कार्यवाही में निरीक्षक गौरव पांडेय, उप निरीक्षक अशोक यादव, प्र.आर. 399 इनानियुस टोप्पो, प्र.आर. 428 मुक्तलाल खेस, आर. 773 प्रकाश मिंज, आर. 207 अर्जून बड़ा, आर. 397 सुदीप एक्का इत्यादि की भूमिका रही है।

खंडहर भवन में स्कूल संचालित किए जाने पर डॉक्टर उज्वला कराडे ने जताई नाराजगी

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

शहर के 69 साल पुराने खपर गंज स्कूल भवन की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। आठ साल पहले इसे डिस्मेंटल करने लायक मानते हुए तालाबंद कर दिया गया था, जिसके बाद यहां संचालित स्कूलों को लाला लाजपत राय स्कूल में शिफ्ट कर दिया गया था। जब इस भवन को स्वामी आत्मानंद स्कूल बनाने का ऐलान हुआ, तो यहां फिर से स्कूल शिफ्ट कर दिए गए। इस बीच, खपर गंज स्कूल भवन की 16.10 लाख रुपये की रंगाई-पुताई की गई, जबकि इसके जर्जर होने की स्थिति बरकरार है।

इस खपर गंज स्कूल में अब अलग-अलग 6 स्कूल संचालित हो रहे हैं, जहां करीब 50 छात्र और शिक्षक दिनभर बैठते हैं। नगर निगम के जिम्मेदार इंजीनियरों का कहना है कि हाई कोर्ट के आदेश पर जर्जर स्कूल की रंगाई-पुताई की गई है। स्थिति यह है कि स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने किसी भी जर्जर जगह पर बच्चों को न बैठाने के निर्देश दिए हैं, इसके बावजूद यहां पढ़ाई जारी है। खपर गंज स्थित पुत्री शाला भवन में पांच स्कूल संचालित हो रहे हैं, जिनमें खपर गंज प्राइमरी, मिडिल, खपर गंज प्राइमरी उर्दू, और अन्य 12 प्राइमरी व मिडिल स्कूल शामिल हैं। जर्जर स्थिति को देखते हुए इस वर्ष कांति कुमार स्कूल का संचालन बंद कर दिया गया।

बच्चों की सुरक्षा की अनदेखी को लेकर शहर में गुस्सा बढ़ रहा है। केवल 700 में से 50 बच्चे ही पढ़ने आ रहे हैं, जिससे साफहै कि अभिभावकों में भी डर व्याप्त है। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ. उज्वला ने इस स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, सरकारी पैसों का बंदरबांट हो रहा है, और शासन को बच्चों की सुरक्षा का ध्यान देना चाहिए।

स्थिति इतनी गंभीर है कि बच्चों की जान खतरे में है, लेकिन अधिकारी सुनने को तैयार नहीं हैं। जर्जर स्कूल भवन में पढ़ाई जारी रखने से बच्चों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। इस मामले में शासन और प्रशासन को त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि बच्चों की जान बचाई जा सके और शिक्षा का स्तर सुधारा जा सके। सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारी बच्चों की सुरक्षा को लेकर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे बरत सकते हैं? जनता अब जवाब मांग रही है।

17 वर्षों बाद ग्राम पंचायत परसाही के ग्रामीणों को मिली बाउंड्रीवॉल व नाली की सौगात, जिला पंचायत सभापति गौरहा ने किया भूमिपूजन..

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

जिला पंचायत सभापति अंकित गौरहा ने ग्राम पंचायत परसाही में 19 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नाली व बाउंड्रीवॉल व कचरा शेड का भूमिपूजन कर ग्रामवासियों की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान परसाही सरपंच प्रतिनिधी ओमप्रकाश डोंगरे, दिनबंधु मेहर ने उपस्थित लोगों के साथ विधि-विधान से पूजा पाठ किया साथ ही निर्माण कार्य को हरी झण्डी दिखाया व ग्रामीणों ने निर्माणाधीन मुक्तिधाम व 17 वर्षो की पुरानी मांग नाली व बाउंड्रीवॉल जिसकी स्वीकृती होने पर जिला पंचायत सभापति अंकित गौरहा का आभार भी व्यक्त किया। सभापति अंकित गौरहा ने बुधवार को बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में ग्राम परसाही में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए भूमिपूजन कर अपने संबोधन में कहा कि ग्राम पंचायत परसाही शहर के निकट होने के बावजूद पंचायत में अभी बहुत से विकास कार्य बाकी हैं। उन्होंने आगे बताया पुर्व में मुक्तिधाम व प्रतीक्षालय की मांग पूर्ण कर निर्माण कार्य करा दिया गया हैं और ग्रामवासियों ने नाली और बाउंड्रीवॉल मांग भी की थी की थी,जिसके निर्माण कार्य के लिए 19 लाख की स्वीकृती दे दी गई हैं और आज भूमिपुजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया हैं। जल्द ही निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा व आगे भी मेरा यही प्रयास रहेगा की ग्रामवासियों को मूलभूत सुविधाओं में हो रही समस्या का निदान मैं कर पाऊं। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश डोंगरे,दिनबंधु मेहर,महेत्तराम मेहर,राजेश बैनर्जी, घनश्याम सूर्यवंशी,रोहित सूर्यवंशी,रामदास पटेल, रूखमणी खरे,कुमुदनी यादव,गिरजा सूर्यवंशी व ग्रामवासी उपस्थित रहें।

खास खबर

अवैध रूप से महुआ शराब बनाने में कुख्यात ग्राम खैरी में मारा गया छापा

बलौदाबाजार। मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध महुआ शराब बनाकर बिक्री करने में कुख्यात ग्राम खैरी में एक शराब कोचिया द्वारा भारी मात्रा में महुआ शराब का निर्माण कर नाला किनारे खेतों मे गड्ढा खोदकर डंप करके रखा गया है। कि सूचना पर आज दिनांक 10.07.2024 को अलसुबह राजेश श्रीवास्तव पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार, निरीक्षक शशांक सिंह थाना प्रभारी एवं थाना पलारी से पुलिस बल के साथ आबकारी विभाग से उपनिरी मनराखन नेताम की टीम द्वारा ठोस रणनीति बनाकर, सुनियोजित तरीके से ग्राम खैरी में खेत के पास नाला किनारे छापा मारा गया। इस दौरान मौके पर आरोपी दिलीप को अवैध महुआ शराब का निर्माण करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। पुलिस टीम द्वारा संपूर्ण एरिया का बहुत ही बारीकी से निरीक्षण किया गया, जिसमें आरोपी द्वारा खेत में गड्ढा खोदकर महुआ शराब को बोरी के अंदर झिल्ली में पैकिंग कर डंप किया गया था। आरोपी से कुल 270 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया है, जिसका बाजार मूल्य ?56,000 है। कार्यवाही में महुआ शराब बनाने में इस्तेमाल 02 गैस चूल्हा, 02 गैस सिलेंडर, 17 एल्युमिनियम का भगोना (बांगा) भी बरामद करने में सफ्लता मिली है।

शुक्रवार को होगा आयुर्वेद चिकित्सा निदान,डमरू में

बलौदाबाजार। छ.ग. शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग आयुष मंत्रालय नया रायपुर एवं जिला आयुष अधिकारी के आदेशानुसार दिनांक 12.07.2024 दिन शुक्रवार को शासकीय आयुर्वेद औषधालय डमरू द्वारा स्थान- शासकीय आयुर्वेद औषधालय परिसर डमरू में विशेष आयुर्वेद चिकित्सा निदान एवं उपचार शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4.00 बजे तक आयुष चिकित्सा पध्दतियों एवं उनके सिध्दांतो द्वारा नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा का निदान किया गया, मौसमी बिमारियों वायरल फीवर, आई फ्लू, सर्दी, खांसी, बुखार, वातरोग, उदर रोग, चर्मरोग,आदि प्रकोप होने से बी.पी सुगर, लकवा, बढ़ जाता है शिविर में बी.पी. शुगर. वनज, एनिमिया, (खून की कमी), मलेरिया, आदि का जाचं नि:शुल्क किया जायेगा ऐसे समय में आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली से उपचार करने से जड़ से ठीक होते है। इसी बात को ध्यान मे रखकर डमरू में शिविर रखा गया था। आम जनता से अपिल किया जाता है कि शिविर में अधिक-अधिक आकर लाभ उठावें ऐसा शिविर बार-बार नहीं हो पाता। शिविर मे डॉ. देवेन्द्र कुमार भैना एवं डॉ. एल. एस. ध्रुव अपनी सेवाएं देंगे।

बिलासपुर वाशियों के लिए खुशखबरी..

जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर डेकोर म्यूस का हुआ उद्घघाटन

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

रथयात्रा के पावन अवसर पर बिलासपुर वासियों के लिए घर की साज सज्जा हेतु एक नवीन संस्थान की शुरुआत हो रही है। यह संस्थान डेकोर म्युस महाराणा प्रताप चौक व्यापार विहार रोड में स्थित है। उक्त संस्थान में वर्तमान परिवेश के आधार पर घर की सजावट हेतु नवीन कलाकृतियां तथा अन्य सजावटी सामान उपलब्ध है। संस्थान प्रमुख योगेश पटेल ने बताया की यह संस्थान बिलासपुर में अपनी तरह का एक अलग शोरूम होगा जहां ग्राहकों को पसंद अनुसार घर की सजावट की रूपरेखा तैयार की जायेगी जिसमें स्थानीय से लेकर आयातित हर तरह के वस्तुओं का समावेश होगा। उन्होंने आगे यह भी बताया की उक्त संस्थान में हर बजट के अनुसार ग्राहकों के लिए सजावट की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने आज अपने स्टोर के उद्घाटन पर स्टोर के निरीक्षण के लिए लोगों को आमंत्रित किया।

डेकोर म्यूस आज श्री जगन्नाथ जी का आशीर्वाद लेकर अपनी यात्रा प्रारंभ कर रहा है , और बिलासपुर वासियों के लिए यह संस्थान सजावट के क्षेत्र में नवीन योगदान देने के लिए कृत संकल्पित है। यह संस्थान शौर्य प्लाजा महाराणा प्रताप चौक व्यापार विहार रोड बिलासपुर में स्थित है , जहां पर जाकर आप नए नए सजावट के सामानों को देख सकते है तथा अपने घर की सजावट नए सिरे से करने हेतु विभिन्न नवीन विचारों से अवगत हो सकते है

युवा लिव-इन-रिलेशन की बजाय कैरियर और पढ़ाई को प्राथमिकता दें, क्योंकि हमारा समाज इसे स्वीकार नहीं करता- एसपी सिंह

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

बिलासपुर। मंगलवार को जिले के पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह बिलासपुर प्रेस क्लब के हमर पहुना कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने शहर की समस्याओं पर चर्चा करते हुए कहा कि कम्युनिटी पुलिसिंग शुरू की तो अब दिखने लगा है कि सही-सही होता है और गलत गलत होता है। एनफोर्समेंट यानी कानून का पालन करने से ज्यादा जरूरी अपराध को रोकना या अपराध होने के बाद उसको सुलझाना जरूरी है। समाज के लोगों में पुलिस का भरोसा बैठना चाहिए। तब ही पब्लिक को लगेगा कि पुलिस की वजह से वह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कई अपराध है, जिसमें पब्लिक की सहभागिता बेहद जरूरी होती है।

जमीन कब्जा हो या लिव-इन रिलेशनशिप में पहले कभी जल्द एफ्आईआर नहीं होती थी। हमने इस पर काम करना शुरू किया है। ''चेतना अभियान'' का लाभ भी साथ में मिल रहा है। यातायात की पाठशाला में चेतना के तहत काम किया गया है। साथ ही यातायात को सुचारू बनाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं साइबर क्राइम को लेकर जागरूकता के लिए पाठशाला प्रमुखता से चलाई जा रही है। जिसका फायदा लोगों को मिलने लगा है। साइबर के कई मामलों में दूर दराज या दूसरे राज्यों से भी अपराधियों को पड़कर लाते हैं। अपराध जान लेना ही काफी नहीं, अपराधी तक पहुंचना भी बहुत जरूरी है। साइबर क्राइम में 25 फ़ीसदी सफ्लता मिलती है, तो बाकी 75 फ़ीसदी लोगों को आस बन जाती है कि उनका भी काम देर सवेर हो ही जाएगा।

महिलाओं और बच्चों के खिलाफअपराध पर अंकुश लगाने व जागरूक करना जरूरी

एसपी सिंह ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफअपराध पर अंकुश लगाने जागरूकता फैलाने का काम शुरू किया गया है। सीनियर सिटीजन के बीच, किटी पार्टी व स्कूल में बच्चों के बीच खेल के माध्यम से साइबर अपराध को लेकर जागरूक करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि मेरे बिलासपुर आते ही एक छोटी बच्ची के साथ क्राइम हुआ था जो काफी संवेदनशील मामला था, जिसने मुझे इस दिशा में गंभीरता के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया।

लिव-इन-रिलेशन का मामला हमारा समाज स्वीकार नहीं करता

आधुनिकता और पाश्चात्य के बीच सामंजस्य बनाने की जरूरत है और उसके लिए बहुत जरूरी है कि हम मर्यादाओं का उल्लंघन न करें, क्योंकि आधुनिकता और पाश्चात्य के बीच एक बारीक लाइन होती है। हमें संस्कृति के साथ जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि लिव-इन-रिलेशन का मामला हमारा समाज स्वीकार नहीं करता है। युवा इसको समझे और अपना ध्यान करियर बनाने लगाएं और पढ़ाई करें। यही जीवन को प्रभावित करता है।

कई अपराधों में आई कमी, रात में भी बढ़ाई गई गस्त

एसपी ने कहा कि क्राइम पर प्रॉपर्टी ऑफेंस, चोरी, लूट समेत अन्य अपराध में मैं गर्व से कह सकता हूं कि इसमें बेहतर काम किया गया जिसकी वजह से इस तरह के अपराधों में कमी आई है। कई मामलों में सामानों की बरामदगी में 80त्न सफ्लता मिली है, जिसे अचीवमेंट कह सकते हैं। वहीं चोरी के मामलों में 35 फ़ीसदी की कमी आई है। इसके अलावा जवानों की रात्रि ग्रस्त बढ़ाई गई है, जिससे लोगों को फायदा मिलने लगा है। साथ ही उन्होंने बताया कि जवानों को राइफ्ल दी गई है। वहीं कहा कि जिले में 20 से 40 पॉइंट ऐसे बनाए गए हैं जहां से सड़क दुर्घटना या अन्य अपराधों पर नियंत्रण किया जा रहा है।

कलेक्टर के साथ यातायात सुविधा सुगम करने बनाया जा रहा रोड मैप

यातायात कैसे सुलभ हो इस बारे में जिला निगम और पुलिस प्रशासन मिल कर काम कर रहा है। कलेक्टर के साथ कई ऐसे स्थलों का दौरा व निरीक्षण कर चिन्हित किया जा रहा है,ताकि समस्याओं का समाधान किया जा सके। सिम्स से गोल बाजार के बीच अतिरिक्त कार्य करने की जरूरत है। कलेक्टर के साथ भी कुछ जगहों को चिन्हित किया है। जहां अंडरग्राउंड वायरिंग करने की जरूरत है।

लेफ्ट टर्न में हटाया जाएगा कब्जा, सिग्नल की समस्या करेंगे दूर...

शहर में लेफ्ट टर्निंग के मामले में भी एक बेहतर काम करने जा रहे हैं। अवैध कब्जों की समस्या है, जिस पर कडाई के साथ काम किया जाएगा। कुछ चौक-चौराहों को रिस्ट्रक्चर करना जरूरी है। महाराणा प्रताप चौक में ब्रिज, मुहाने तक आ गया है, जिसकी वजह से परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जा रहा है कि रिस्ट्रक्चर के साथ सिग्नल की भी समस्या खत्म की जाए। व्यापार विहार में और एक दो स्थानों पर सिग्नल की टाइमिंग में सुधार की जरूरत है। वहीं कई जगह पर 90 फीट की सड़क 50 फीट मिलती है। 40 फीट कब्जा हो जाता है और दुकानदार अपना सामान फैला लेते हैं। जरूरी है कि प्रशासन और व्यवसाई मिलके बैठे और इस दिशा में आवश्यक कदम उठाएं। ट्रैफिक्क की समस्या कुछ हद तक इससे खत्म हो जाएगी। ट्रैफिक्क एनफोर्समेंट से ज्यादा जरूरी ट्रैफिक्क इंजीनियरिंग की जरूरत महसूस हो रही है। जिले में 6 ब्लैक स्पॉट है, जिन्हें चिन्हित कर उनमें सुधार किया जा रहा है। तीन ग्रे स्पॉट आईडेंटिफाई किए गए हैं, जहां दुर्घटनाएं होती है।

रात 8 बजे से 12 बजे तक हेलमेट करेंगे अनिवार्य

पत्रकार अखलाख खान के सवाल पर एसपी ने कहा कि ई-चालान के तहत ऐसे कार ड्राइवर को भी दायरे में लिया जाएगा, जो मोबाइल में बात करते हुए ड्राइविंग करते हैं। इसी तरह हेलमेट को लेकर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शहर के अंदर हेलमेट को पूरी तरह से लागू नहीं किया जाएगा, लेकिन शहर से बाहरी क्षेत्रों में हेलमेट को लेकर कड़ाई से पालन कराया जाएगा। वहीं शहर के अंदर भी 8 से लेकर रात 12 बजे तक शराब पीकर वाहन चलाने वालों को या इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के लिए हेलमेट अनिवार्य किया जाएगा।

अब मैं छत्तीसगढ़ का हो गया...

पुलिस अधीक्षक रजनीश सिंह ने बताया कि उनका बचपन बनारस के गांव में बीता, लेकिन अब रायपुर निवासी हो गए हैं। उन्होंने बताया कि बीते 30-40 वर्षों से छत्तीसगढ़ में रह रहा हूं। खास बात यह है कि पिता की नौकरी की शुरुआत 1976 में बिलासपुर जिले से हुई थी। तब वे ढाई साल के थे। उन्होंने एमएससी रवि शंकर विश्वविद्यालय रायपुर से की।

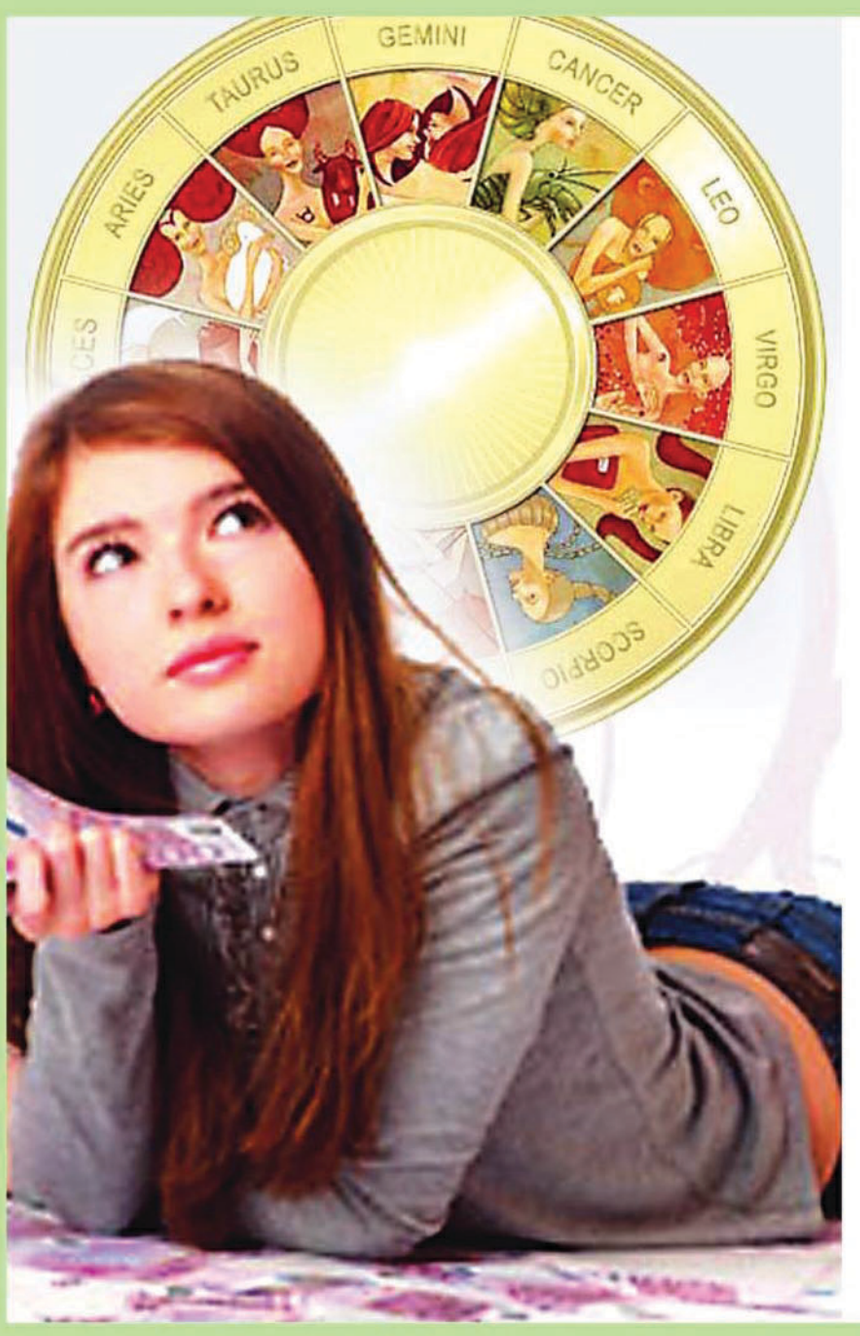

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है।

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

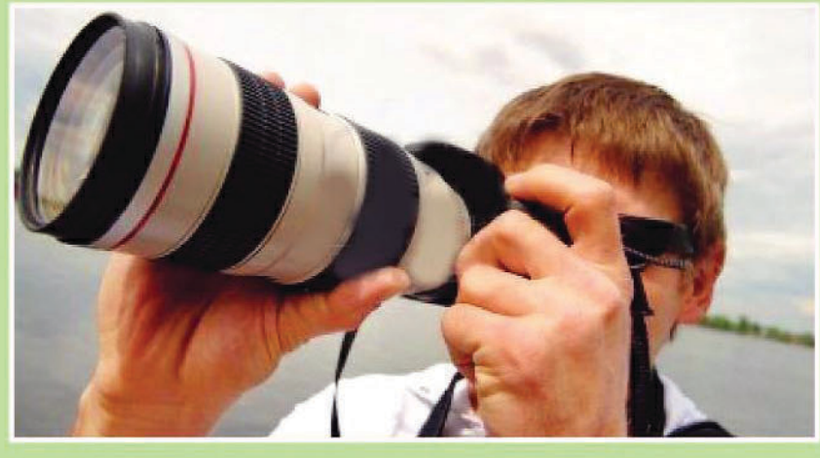

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

खास खबर...

डढ़िया तालाब के सफाई अभियान में अधिवक्ता संघ ने किया श्रमदान

श्रमबिन्दु / कांकेर

जिला प्रशासन की पहल पर नगर के ऊपर नीचे रोड स्थित प्राचीन डढ़िया तालाब को जलकुंभी मुक्त बनाने लगातार अभियान जारी है। इसी क्रम में आज अठारहवें दिन तालाब के शिव मंदिर घाट में अधिवक्ता संघ कांकेर के अध्यक्ष श्री नरेंद्र दवे, उपाध्यक्ष देवेन्द्र यादव, श्री खम्मन मरकाम, श्री गजेन्द्र साहू, श्री धनेश यादव एवं अन्य अधिवक्ताओं ने श्रमदान किया। साथ ही जवाहर वार्ड के नागरिक एवं होमगार्ड के दल ने भी उक्त तालाब से जलकुम्भी निकालकर श्रमदान किया। इसी तरह वंदेमातरम घाट में नागरिकगण, पूर्व सैनिक दल और स्वयंसेवी संस्था ने तालाब से जलकुंभी निकालने में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। इस मुहिम में श्री अरूण कौशिक, श्री अविनाश नेगी, श्री टेश्वर जैन, श्री मोहन सेनापति, श्री पंकज कौशिक, श्री अशोक राठी, श्री अजय पप्पू मोटवानी, श्रीमती विजय लक्ष्मी कौशिक सहित कई वरिष्ठ नागरिक, स्वयंसेवी संस्था अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

22 गांव समिति के सदस्यों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

श्रमबिन्दु / बेमेतरा

फैक्ट्री में हो खेती किसानी से जुड़ी उद्योग संचालित बीते महीने पिरदा गांव में स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड, बारूद फैक्ट्री में दर्दनाक ब्लास्ट हो गया था। जिसमे फैक्ट्री में काम करने वाले नौ लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी। जिस घटना से लगभग 22 गांव के लोग आज भी दहशत में रह रहे है। वही आज विभिन्न गांवों के दर्जनों लोग बारूद फैक्ट्री को हमेशा के लिए बंद करने की गुहार लगाते कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम आवेदन सौंपे है। साथ ही उन्होंने कहा है कि बारूद फैक्ट्री के स्थान पर प्रदूषण मुक्त फुट प्रोसेसिंग प्लांट, कोल्ड स्टोरेज या कृषि आधारित कोई फैक्ट्री संचालित करे। जिससे सभी ग्रामीण भयमुक्त व स्वस्थ रहे। हमारे आवेदन पर जल्द से जल्द फैक्ट्री बंद करने की कार्यवाही करते हुए सभी ग्रामवासियों को भयमुक्त करे। जो उस घटना के बाद से आजतक दहशत में जीवन जी रहे है। मांग पूरी नही होने की स्थिति में 22 गांव के सभी ग्रामीण सड़क पर उतर कर उग्र आंदोलन करने मजबूर हो जायेगे। अब यहां देखना होगा कि ग्रामीणों के मांग पर सरकार क्या फैसला लेती है, या यू ही 22 गांव के ग्रामवासी दहशत में जीवन बिताएंगे।

सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

श्रमबिन्दु / बेमेतरा

पूरा मामला बेमेतरा जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट ऑफ्सि में सहकारी समिति कर्मचारी संघ जिला बेमेतरा के सैकड़ो सदस्यों ने निलंबित किए कर्मचारी के बहाली के लिए ज्ञापन सौप गुहार लगाई। बता दे कि विगत समय तीन कर्मचारियों को कलेक्टर ने धान शॉर्टेज के मामले में निलंबित कर दिया गया था। सरकारी समिति कर्मचारियों के सदस्यों को कहना है कि धान समय पर उठाव नहीं होने के कारण धान सूख जाता है जिससे धन शॉर्टेज हो रहा है। अपनी मां को लेकर कलेक्ट पहुंच गुहार लगाई। देखने वाली बात या होगी इनकी मांगे पूरी होती है।

कवीर स्वयंसेवकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ का किया गया सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण

श्रमबिन्दु / कवर्धा

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में चल रहे कार्यक्रम बदलाव संग युवा जिसमें कवीर स्वयंसेवकों का लगातार क्षमतावर्धन किया जा रहा है। यूनिसेफ और छत्तीसगढ़ एग्रीकॉन समिति के सहयोग से जिला पंचायत भवन के सभागार कक्ष में सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला में मैं हूं न कार्यक्रम का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य समन्वयक मानसिक स्वास्थ्य सुश्री दानिश खातून हुसैन ने कवीर स्वयंसेवकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रथम सहायता उपचार के लिए प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह था कि किस प्रकार से दोस्त, बच्चा, युवा या बड़े जो दुख और परेशानी में होते हैं, उनकी मदद की जा सके। जिला समन्यवयक दीपक बागरी ने कहा की मैं हूं ना थीम के तहत, स्वयंसेवकों को मन मित्र के रूप में समुदाय में सेवा देने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण में मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक स्वास्थ्य के बीच के अंतर को समझा और मन मित्र के रूप में आवश्यक सावधानियों को सीखा गया। यह ज्ञात हो कि कवीर स्वयंसेवी जिले में पांच कार्यक्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं, जिनमें से एक मानसिक स्वास्थ्य है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए मन मित्र के रूप में स्वयंसेवकों को तैयार करना था।

अखिल भारतीय अंतर साई और अंतर खेलो इंडिया एकेडमी बास्केटबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

हॉकी और झांकी के साथ अब राजनांदगांव बास्केटबॉल खेल के लिए भी देश-विदेश में प्रसिद्ध - कलेक्टर

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल भारतीय खेल प्राधिकरण प्रशिक्षण केन्द्र राजनांदगांव द्वारा दिग्विजय स्टेडियम में आयोजित अखिल भारतीय अंतर साई और अंतर खेलो इंडिया एकेडमी बास्केटबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री मृणाल चौबे, अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी श्री लुमेन्द्र साहू विशेष रूप से उपस्थित थे। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से खिलाड़ी आपस में मिलते हैं और खेल आपस में खिलाडियों में दोस्ती करवाता है। साथ ही युवा खिलाडियों के बीच नव ऊर्जा एवं उत्साह का संचार होता है। कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न खेलों के माध्यम से रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। कलेक्टर ने बताया कि संस्कारधानी राजनांदगांव देश में खेल नगरी के रूप में जाना जाता है। साथ ही राजनांदगांव को हॉकी की नर्सरी के रूप में पहचाना जाता है। लेकिन अब राजनांदगांव को बास्केटबॉल की नर्सरी के रूप में भी पहचानते हैं। राजनांदगांव की पहचान हॉकी, झांकी और बास्केटबॉल के रूप में हो रही है। कलेक्टर ने खिलाडियों से परिचय भी प्राप्त किया और प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को शुभकामनाएं भी दी।

साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव के केंद्र प्रभारी केसी त्रिपाठी ने बताया कि अखिल भारतीय अंतर साई और अंतर खेलो इंडिया एकेडमी बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 8 से 12 जुलाई 2024 तक लीग कम नॉकआउट पद्धति से खेली जायेगी। इस प्रतियोगिता में साई ट्रेनिंग सेंटर राजनांदगांव की दो टीम, साई ट्रेनिंग सेंटर जबलपुर, साई ट्रेनिंग सेंटर सेलम, साई ट्रेनिंग सेंटर धारवाड़, साई ट्रेनिंग सेंटर वाराणसी, युगांतर खेलो इंडिया एकेडमी एवं साई ट्रेनिंग सेंटर जम्मू की टीमें भाग ले रही हैं। इस अवसर पर दिग्विजय स्टेडियम के मेनेजर श्री रणविजय प्रताप सिंह, साई एवं अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रशिक्षक श्री कालवा राजेश्वर राव, विभिन्न टीमों के कोच मेनेजर कार्तिकेयन, सचिन डोंगढ, पंकज पांडे, प्रियंका कालवा राधा राव, दिव्या धारावत, सागादेवन, हरप्रीत कौर, अशोक यादव, अमित कुमार, अंतर्राष्ट्रीय रेफरी गोविंद सेन, जतिन मिश्रा, संतोष शुक्ला, अरविंद रजक, मनिष धोबी, तिरथ गोस्वामी, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से गगनदीप सिंह बरार सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

कल्याण महाविद्यालय में पत्रकारिता पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ

श्रमबिन्दु / भिलाई

कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई में इस सत्र से बीए एम जे सी पत्रकारिता का तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। पत्रकारिता विभाग को नये सिरे नयी शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम के अनुसार सुविधा संपन्न बनाया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर पी अग्रवाल एवं पत्रकारिता विभाग के प्रभारी अध्यक्ष डॉ सुधीर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पाठ्यक्रम मीडिया गुरुकुल कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर से संबद्धता प्राप्त है। इस तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पत्रकारिता की परंपरा से लेकर आधुनिक पत्रकारिता के विविध विषयों को शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम को रोज़गारमूलक बनाया गया। विभाग में महाविद्यालय द्वारा कैंपस प्लेसमेंट की भी व्यवस्था की गई। महाविद्यालय द्वारा अध्ययरत विद्यार्थियों को वाई फई सुविधा के साथ कंप्यूटर की सुविधा भी प्रदान की जाती है। इस दौरान स्वयं का न्यूज पोर्टल, यूं ट्यूब चैनल, सोशल मीडिया मार्केटिंग और प्रबंधन तथा प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा तथा समय समय पर विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित करने की भी योजना है। छात्राओं के लिए महाविद्यालय परिसर में ही सुव्यवस्थित छात्रावास है। विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर एक कुशल पत्रकार, संपादक, मीडिया प्रबंधक आदि बन सकते हैं।

"एक वृक्ष मां के नाम और चार वृक्ष बेटियों के नाम" विषय पर आंगनबाड़ी केन्द्रों में फलदार पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

श्रमबिन्दु / कवर्धा

कलेक्टर जनमजेय महोबे के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा "जल शक्ति से नारी शक्ति" एवं "एक वृक्ष मां के नाम और चार वृक्ष बेटियों के नाम" विषय पर 5 फ्लदार वृक्षों का रोपण अभियान जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष रुप से ग्राम की महिलाओं, महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं, महतारी वंदन योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों को सम्मिलित कर पौधारोपण से जल संरक्षण, जल का महत्व, साफ और सुरक्षित जल का उपयोग, जल के संरक्षण के सही उपाय, जल संग्रहण की उपयोगी तकनीकों की जानकारी, जल स्त्रोतों के आस-पास साफ-सफाई एवं स्वच्छता का महत्व, साफ सुथरा शैचालय का उपयोग, साथ ही पौधारोपण से जल संरक्षण करने, जल सरंक्षण एवं प्रबंधन के लिए स्वस्थ्य मिट्टी के लिए पौधो एवं वृक्षो की भूमिका के विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य हवा की गुणवत्ता में सुधार लाना, जलवायु में सुधार लाना, जल संरक्षण, मिट्टी संरक्षण और वन्य जीवन का समर्थन करना है। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को जल सरंक्षण के संबंध में पानी बचाने और उसके संचयन का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा जल संरक्षण को बढ़ावा देने में सहयोग करने और अपने परिवारजनों, मित्रों, पड़ोसियों और अपने आने वाली पीढ़ियों को इसके समुचित उपयोग और व्यर्थ न बहाने के लिए प्रेरित करने विषय पर शपथ दिलाया जाएगा।

आयुक्त ने की लोककर्म एवं जल विभाग की समीक्षा

स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ करने, सुचारू पेयजल के लिये सर्वे कर सार्वजनिक नल काटने के दिये निर्देश

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता आज तकनीकि अधिकारियों की बैठक लेकर निर्माण कार्य एवं पेयजल व्यवस्था की समीक्षा में स्वीकृत निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ करने व चल रहे कार्यो में तेजी लाने के निर्देश देने के साथ साथ शहर के सभी वार्डो में सुचारू पेयजल के लिये सर्वे कर सार्वजनिक नल तथा अवैध नल काटने के निर्देश दिये।

बैठक में आयुक्त श्री गुप्ता ने सर्व प्रथम जल विभाग की समीक्षा कर पेयजल सप्लाई के सबंध में चर्चा कर अब तक काटे गये अनावश्यक बहने वाले सार्वजनिक नल की जानकारी ली। कार्यपालन अभियंता श्री यू.के.रामटेके ने जानकारी दी कि एक सप्ताह में 52 सार्वजनिक नल काटा गया है, शिकायत एंव सर्वे के आधार पर काटने की कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त ने कहा कि सभी उप अभियंता अपने अपने प्रभारित वार्ड में सार्वजनिक एवं अवैध नल का सर्वे करे और टोटी विहीन तथा अनावश्यक बहने वाले नल सूचीबद्ध कर जल विभाग को प्रेषित करे, जिससे उक्त नल काटा जा सके। साथ ही भवन भवन अनुज्ञा उपरांत राशि जमा नहीं करने वालो के नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही करने कहा। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कम पानी आने व गंदा पानी आने की शिकायत प्राप्त होती है उसका यथा संभव निराकरण करे, इसी प्रकार नागरिकों एवं पार्षदों की शिकायतो का भी तत्काल निराकरण करे। उन्होंने कहा कि टंकिया पर्याप्त भरने के पश्चात ही सप्लाई करे, जिससे सभी क्षेत्रों में पर्याप्त प्रेशर से पानी आ सके। वाल्व खोलने संबंधी शिकायतों का भी निराकरण करे।

आयुक्त श्री गुप्ता ने कहा कि कही कही अमृत मिशन के द्वारा नल कनेक्शन नहीं होने की शिकायत आ रही है, वहा नल कनेक्शन देवे, पार्षदों से सम्पर्क कर छुटे हुये कनेक्शन लगावे, शेष इंटर कनेक्शन करे, पुराने नल कनेक्शन बंद करें, जिससे समान रूप से पेयजल सप्लाई हो सके।

संपूर्णता अभियान, माकड़ी में हुई स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा एवं प्रशिक्षण

श्रमबिन्दु / फरसगांव

आकांक्षी विकासखंड माकड़ी के जनपद पंचायत सभागार कक्ष में स्वास्थ्य विभाग का प्रशिक्षण सह समीक्षा कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया गया। इसमें संपूर्णता अभियान उत्सव, स्टॉप डायरिया अभियान, शिशु संरक्षण माह आदि पर विस्तृत चर्चा की गई। आकांक्षी विकासखंड माकड़ी में संपूर्णता अभियान उत्सव के तहत कल 11 जुलाई से लगातार सभी 67 ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा कृषि विभाग तथा अन्य सभी संबंधित के समन्वय से शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसे देखते हुए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी, सेक्टर सुपर वाइजर, ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी (महिला एवं पुरुष) तथा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी आदि को संपूर्णता अभियान के लक्ष्यों को सफल बनाने के संबंध में निर्देशित किया गया। सभी गर्भवती महिलाओं का प्रथम तिमाही में प्रसव पूर्व पंजीयन तथा समस्त योग्य नागरिकों का डायबिटीज, हाइपरटेंशन, टीबी, एनीमिया तथा सिकलसेल आदि की जांच हेतु निर्देशित किया गया। गर्भवती महिलाओं तथा अन्य नागरिक जनों का स्वास्थ्य परीक्षण करने संबंधी निर्देश दिया गया। इसके अलावा स्टॉप डायरिया तथा शिशु संरक्षण कार्यक्रम के संबंध में भी विस्तृत चर्चा एवं प्रशिक्षण आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के डीपीएम, जनपद पंचायत माकड़ी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, आकांक्षी विकासखंड फेलो, स्वास्थ्य विभाग के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी, सेक्टर सुपरवाइजर, ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी(महिला एवं पुरुष) तथा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी शामिल हुए।

सावन महीने के प्रथम सोमवार 22 जुलाई को भोरमदेव पदयात्रा का होगा भव्य आयोजन

श्रमबिन्दु / कवर्धा

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष सावन महीने के प्रथम सोमवार 22 जुलाई को पूरी भव्यता के साथ भोरमदेव पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। भोरमदेव पदयात्रा सबेरे 7 बजे से बूढ़ा महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर भोरमदेव मंदिर तक होगा। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे की अध्यक्षता में भोरमदेव मंदिर परिसर में जन आस्था से जुड़े भोरमदेव पदयात्रा की तैयारियों एवं व्यवस्था के संबंध में भोरमदेव सनातन तीर्थ ट्रस्ट कबीरधाम के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, मीडिया प्रतिनिधियों, सर्व अध्यक्ष क्लब, संघ एवं अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई और महत्वपूर्ण सुझाव लिए गए।

कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने कहा कि भोरमदेव पदयात्रा में श्रद्धालु उत्साह से भाग लेते है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कवर्धा सहित आसपास के सभी नागरिक इस पदयात्रा में शामिल होकर भव्य बनाएं। उन्होंने कहा कि आयोजन के संबंध में पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी सभी सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। इसके साथ गणमान्य नागरिकों द्वारा प्राप्त सुझाव को भी अमल में लाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न संस्था के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, पदयात्रा के रास्ते में पड़ने वाले ग्राम पंचायतों द्वारा रास्ते की साफ-सफाई एवं स्वागत द्वार बनाने, पेयजल, सुलभ शौचालयों की साफ-सफाई, रास्ते में जगह-जगह आपात चिकित्सा व्यवस्था, विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई।

कलेक्टर ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला धामनसरा का किया निरीक्षण

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कलेक्टर संजय अग्रवाल आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम धामनसरा के दौरे के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला धामनसरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल को हरा-भरा बनाने के लिए स्कूल परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर बहुत अच्छा एवं साफ-सुथरा है। प्राचार्य, शिक्षक, स्टॉफ एवं ग्रामीणों ने स्वच्छता पर ध्यान देते हुए बहुत अच्छा कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जिले में संपर्क डिवाईस के अच्छे परिणाम रहे हैं और बच्चों उपस्थिति बढ़ी है। इसे सभी स्कूलों में उपलब्ध कराया जाएगा। जिससे बच्चों की सीखने की प्रवृत्ति बढ़ेगी, उपस्थिति बढ़ेगी और संपर्क डिवाईस देखने से शिक्षकों की कौशल भी बढ़ेगा। उन्होंने सरस्वती सायकल योजना के तहत कक्षा 9वीं में नव प्रवेशी छात्राओं को सायकल वितरण किया। उन्होंने राज्य स्तरीय सब जूनियर कबड्डी बालक एवं बालिका चैम्पियनशिप में विजेता होने पर विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कलेक्टर श्री अग्रवाल कक्षा 10वीं में गणित विषय पढ़ाया। कक्षा 10वीं की छात्रा वोमेश्वरी पटेल ने 19 का पहाड़ा बहुत अच्छे से बताया, इस पर कलेक्टर ने उसकी तारीफकी। उन्होंने विद्यार्थियों को गणित को सरल तरीके से पढने का तरीका बताया। उन्होंने पहाड़ा याद करने के सरल तरीके के साथ गणित विषय को पढ़ाई करने का आसान तरीका बताया।

इस दौरान जिला पंचायत सदस्य श्री अंगेश्वर देशमुख, जनपद उपाध्यक्ष श्री रोहित चंद्राकर, जनपद सदस्य श्रीमती रोशनी वैष्णव, सरपंच श्री लोकेश गंगवीर, श्री रामचन्द्र चंद्राकर, उप सरपंच श्री घृतलाल पटेल, कृष्णा पटेल, श्री जीवराखन पटेल, श्री तिलक निषाद, श्री योगेन्द्र दास वैष्णव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय जायसवाल, जिला मिशन समन्वयक श्री सतीश ब्यौहारे, बीआरसी श्री भगत सिंह ठाकुर, प्राचार्य श्री अजय मसीह एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं विजय कुमार पुरषोत्तम लालवानी Vijay Kumar purhottam Lalwani S/0 पुरषोत्तम दास लालवानी Purshottam Das lalwani निवासी ईडब्लूएस- -7 ग्रांउड फ्लोर वैशाली नगर भिलाई दुर्ग छ.ग. 490023 यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपने पुराने नाम को त्याग कर नया नाम विजय कुमार पुरषोत्तम दास लालवानी Vijay Kumar Purshottam Das Lalwani S/o पुरषोत्तम दास लालवानी Purshottam Das Lalwani रख लिया हूँ।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम विजय कुमार पुरषोत्तम दास लालवानी Vijay Kumar Purshottam Das Lalwani S/0 पुरषोत्तम दास लालवानी Purshottam Das Lalwani के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

शपथकती
विजय कुमार पुरषोत्तम दास लालवानी
EWS-7 ग्रांउड फ्लोर वैशाली नगर भिलाई दुर्ग छाना 490023

न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र.ई. पजी./202407082200016
अ-6/वर्ष 2023-24

आवेदक गजानंद पिता भरत साहू साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित शीट क्र. 17 भू-खण्ड क्र. 492 क्षेत्रफ्ल 148.00 व.मी. जो नजूल संधारण खसरा में भरत पिता ररूराम साहू के नाम पर दर्ज है। उक्त भू-खण्ड के मूल धारक भरत की मृत्यु दिनांक 31.10.2017 एवं उनके पुत्र अजय की मृत्यु दिनांक 06.01.2024 को हो जाने के कारण उनके वैध वरिसों का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने उतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 29/7/24 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर मान्य नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 09/7/24 को इस न्यायालय के पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनांक 9/7/2024
पेशी दिनांक 29/7/2024

नजूल अधिकारी
कबीरधाम

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

एक पेड़ माँ के नाम

महावृक्षारोपण अभियान
11 जुलाई 2024

चलव बनाबो हरियर छत्तीसगढ़

प्रदेश में रोपे जाएँगे करीब 4 करोड़ पौधे

आइये जननी और जन्मभूमि के रिश्ते को नई पहचान दें, पौधा लगाकर उसे संरक्षित करें।

- श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

RO-40764/62

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वामी / प्रकाशक / शिव श्रीवास्तव द्वारा विकास प्रकाशन 208 आकाशगंगा भिलाई से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-दिलीप श्रीवास्तव, जगदलपुर स्थानीय संपादक - अर्जुन झा * पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-पुरेन्द्र देशमुख। फोन : 07883558190, मो. 9425228630